भोपाल, मंडला, जबलपुर, कटनी, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-12 अंक-310 ● भोपाल ● शनिवार, 14 नवम्बर, 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 4 ● विक्रम संवत् 2083

जीवन में बदलाव स्वाभाविक है। इसे अपनाना सीखो, लड़ना नहीं।

यश भारत एप्प डाउनलोड करें

Download on the App Store

GET IT ON Google Play

जनजाति गौरव दिवसः जबलपुर पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

भगवान बिरसा मुंडा को नमन कर स्वच्छता कर्मचारियों का किया सम्मान

जबलपुर (यश भारत)। *जनजाति गौरव दिवस के पावन अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संस्कारधानी जबलपुर आगमन हुआ। डुमना एयरपोर्ट पर जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। एयरपोर्ट पर स्कूली बच्चों से आत्मीय मुलाकात के पश्चात मुख्यमंत्री सीधे अधारताल स्थित भगवान बिरसा मुंडा के मूर्ति स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।*

गरिमापूर्ण उपस्थिति और अगवानी

डुमना एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री की अगवानी करने वालों में सांसद आशीष दुबे, विधायक सुशील तिवारी 'इंदु', नीरज सिंह, डॉ. अभिलाष पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा मुकेश गोटिया, मप्र तेली घानी बोर्ड के अध्यक्ष रविकरण साहू, जेडीए



मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

अध्यक्ष संदीप जैन, भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल, दिव्यांगजन प्रकोष्ठ अध्यक्ष संदीप रजक सहित नीलेश अवस्थी, पंकज दुबे, रंजीत पटेल व बलराम यादव प्रमुख रूप से शामिल रहे। इस दौरान प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों में संभागायुक्त धनंजय सिंह, आईजी प्रमोद वर्मा, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा तथा पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय भी मौजूद रहे।

मानस भवन में स्वच्छता कर्मचारियों का सम्मान

अधारताल में भगवान बिरसा मुंडा को नमन करने के उपरांत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नगर निगम द्वारा मानस भवन में आयोजित स्वच्छता कर्मचारियों के भव्य सम्मान समारोह में शामिल होने पहुंचे। समाचार लिखे जाने तक मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल पर पहुंच चुके थे और सफाई मित्रों का अभिनंदन कर रहे हैं।

गैरीसन ग्राउंड में मुख्य कार्यक्रम

ज्ञात हो कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर मुख्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम सदर स्थित गैरीसन ग्राउंड में आयोजित है, जहां मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न विकास कार्यों की सौगात देने के साथ ही सभा को संबोधित करेंगे।

परिसीमन और महिला आरक्षण कानून पास करने विशेष सत्र बुला सकती है मोदी सरकार

केंद्रीय मंत्रियों का दावा पास करने के लिए पर्याप्त संख्या बल मौजूद



नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार संसद का एक छोटा विशेष सत्र बुलाने पर विचार कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य परिसीमन और बहुप्रतीक्षित महिला आरक्षण कानून से जुड़े विधेयकों को जल्द से जल्द पारित कराना है। यह संभावित सत्र आगामी शीतकालीन सत्र से पहले आयोजित किया हो सकता है, जो 30 नवंबर या 4 दिसंबर को शुरू होने की संभावना है।बीजेपी सूत्रों के अनुसार, मोदी सरकार के पास अभी भी एक छोटा विशेष सत्र आयोजित करने के लिए पर्याप्त समय है। एक वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री ने हाल ही में संकेत दिया था कि विधायी पैकेज को पारित करने के लिए दो विकल्प हैं.....या एक विशेष सत्र में या फिर शीतकालीन सत्र में पारित कराया जाएं। हालांकि, पहले बीजेपी के सहयोगी दलों को संकेत दिया गया था कि इस शीतकालीन सत्र में पारित करने की अधिक संभावना है। इन विधेयकों को पारित कराना मोदी सरकार के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर महिला आरक्षण को 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले लागू करने की दिशा में आखिरी मौका हो सकता है। 2029 में ही लोकसभा चुनाव होने हैं। इस विधायी पैकेज में एक संविधान संशोधन विधेयक प्रमुख है, जो कि परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। किसी भी संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए एक जटिल संख्याबल की जरुरत होती है। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में अलग-अलग पारित करना होता है, जिसके लिए कुल सदस्यता के बहुमत के साथ-साथ मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई समर्थन की अनिवार्य शर्त होती है।

पुल की रेलिंग तोड़कर नीचे गिरी बस, महिला की मौत, 20 घायल

छत्रपति संभाजीनगर, एजेंसी। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में तेज रफ्तार निजी बस पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरी। हादसे में एक महिला यात्री की मौत हो गई, जबकि 20 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस और बचाव दल की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इससे पहले अक्टूबर में महाराष्ट्र के बीड जिले के माजलगांव तालुका में एसटी बस और कार की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई थी। कार सवार श्रद्धालु तुलजापुर दर्शन के लिए जा रहे थे। वहीं नवी मुंबई में भी बस का ब्रेक फेल होने से तीन रिक्शा और तीन कारों से टक्कर हो गई थी, जिसमें नौ लोग घायल हुए थे। लगातार हो रहे बस हादसों ने यात्री सुरक्षा पर सवाल खड़े किए हैं। तेज रफ्तार, तकनीकी खराबी और चालकों की लापरवाही दुर्घटनाओं की वजह बन सकती है। ऐसे हादसों को रोकने के लिए वाहनों की नियमित जांच और चालकों के काम के घंटों तथा आराम को लेकर नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है।

कराची में सात महीने से फंसे छह भारतीय नाविक

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची बंदरगाह पर छह भारतीय नाविक पिछले करीब सात महीनों से फंसे हुए हैं। इनमें मर्चेंट नेवी के एक चीफ ऑफिसर भी शामिल हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत सरकार ने नाविकों की वापसी के लिए पाकिस्तान से राजनयिक सहायता मांगी है। उन्होंने कहा कि मामला भारत-पाकिस्तान के बीच राजनीतिक विवाद का नहीं, बल्कि जहाज की मालिक कंपनी और कर्मचारियों के बीच व्यावसायिक विवाद का है। प्रयागराज निवासी अधिकारी विनीत किशोर मिश्रा के परिवार का आरोप है कि नाविकों के पासपोर्ट जब्त हैं और जहाज की बिजली आपूर्ति बंद है। खराब संचार व्यवस्था के कारण परिजनों से बातचीत भी मुश्किल हो रही है।

एनसीपी के दोनों गुटों का विलय नहीं, एनडीए में जा सकते हैं शरद पवार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के विलय की अटकलों पर विराम लगता दिख रहा है। सूत्रों के मुताबिक, शरद पवार का गुट बिना विलय के ही भाजपा नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने की संभावनाएं तलाश रहा है। सांसद सुप्रिया सुले ने दिल्ली में कहा कि विलय की चर्चा उसी समय खत्म हो गई थी, जब उनके भाई अजित पवार ने पार्टी छोड़ी थी। इस बयान से दोनों गुटों के फिर एक होने की संभावना कमजोर पड़ गई है। सूत्रों के अनुसार, शरद पवार का गुट स्वतंत्र पार्टी के रूप में सत्ताधारी गठबंधन में शामिल हो सकता है। इसके बदले केंद्र और महाराष्ट्र सरकार में पद मिलने की संभावनाएं भी जताई जा रही हैं।

अमेरिका में तकनीकी खराबी से सात हजार उड़ानें प्रभावित

वॉशिंगटन, एजेंसी। *अमेरिका में टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम में गंभीर तकनीकी खराबी के कारण हवाई यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) को देशभर में उड़ानों पर अस्थायी रोक यानी ग्राउंड स्टॉप लागू करना पड़ा। इस व्यवधान से करीब सात हजार उड़ानें देरी से चलीं या रद्द करनी पड़ीं। शुरुआती जांच में साइबर हमले या खतरनाक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका के संकेत नहीं मिले हैं।*



होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी मार्कवेन मुलिन ने कहा कि अब तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे साइबर हमले की आशंका साबित हो। प्रभावित सिस्टम में संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधि या अनधिकृत प्रवेश के संकेत भी नहीं मिले। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच जारी है और तकनीकी खराबी का वास्तविक कारण अभी सामने नहीं आया है। परिवहन मंत्री सीन डफी के मुताबिक, स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 3:36 बजे एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटरों और टर्मिनल रडार सुविधाओं में रडार और संचार प्रणालियां अस्थिर हो गई थीं। पुराने एनालॉग उपकरण डेटा का अत्यधिक दबाव नहीं संभाल सके, जिससे सूचना के आदान-प्रदान में गड़बड़ी हुई। उनके अनुसार, नए इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) स्विच सामान्य रूप से काम करते रहे। ग्राउंड स्टॉप लागू होने के समय तीन हजार पांच सौ से अधिक विमान हवा में थे। अधिकारियों ने सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू कर सभी विमानों की सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित की। मेडिकल इमरजेंसी, जरूरी दवाओं की ढुलाई और कानून प्रवर्तन से जुड़ी उड़ानों को छूट दी गई। एफएए ने बाद में बताया कि सभी विमानों का पता लगा लिया गया है। फ्लाइट ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म फ्लाइटअवेयर के आंकड़ों के अनुसार, करीब सात हजार उड़ानें प्रभावित हुईं। एयरलाइंस ने यात्रियों को अपनी उड़ानों की स्थिति जांचने की सलाह दी।

रामलीला मैदान में प्रदर्शन के लिए 50 हजार लोगों की सीमा का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के रामलीला मैदान में धरना-प्रदर्शन, रैली और जनसभाओं के आयोजन के लिए नए नियम लागू किए जा सकते हैं। दिल्ली पुलिस ने आयोजनों को व्यवस्थित करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का मसौदा तैयार किया है। इसके तहत एक कार्यक्रम में अधिकतम 50 हजार लोगों को शामिल होने की अनुमति देने का प्रस्ताव है। साथ ही आयोजन का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक निर्धारित करने की बात कही गई है। मसौदे के अनुसार, हर कार्यक्रम में भीड़ की वास्तविक संख्या संबंधित सक्षम अधिकारी तय करेंगे। इसके लिए आयोजन की प्रकृति, संभावित भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था का आकलन किया जाएगा। हालांकि, किसी भी स्थिति में प्रस्तावित 50 हजार की अधिकतम सीमा से अधिक लोगों को जुटाने की अनुमति नहीं होगी। नए नियमों के तहत आयोजकों को कार्यक्रम की तारीख से कम से कम 10 दिन पहले अनुमति के लिए आवेदन करना होगा।

खरगोन और खंडवा में भूकंप के झटके रिक्टर स्केल पर 4.5 रही तीव्रता



नई दिल्ली, एजेंसी। मध्यप्रदेश के खरगोन, खंडवा और आसपास के इलाकों में शनिवार सुबह अचानक भूकंप के झटके महसूस किए जाने से लोगों में हड़कंप मच गया। सुबह के समय धरती में हुए इस कंपन के कारण कई लोग घबराकर अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, 14 नवंबर 2026 को सुबह ठीक 9 बजकर 15 मिनट 28 सेकंड पर इस भूकंप को रिकॉर्ड किया गया। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 4.5 मापी गई है, जिसे मध्यम श्रेणी का माना जाता है। भूकंप की इस घटना के बाद पूरे निमाड़ क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया और लोग एक-दूसरे को फोन कर कुशलक्षेम पूछते नजर आए।राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र द्वारा साझा की गई तकनीकी जानकारी के अनुसार, इस भूकंप का केंद्र खरगोन क्षेत्र में जमीन की सतह से करीब 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। वैज्ञानिकों ने भूकंप के केंद्र की सटीक भौगोलिक स्थिति 21.59 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 75.552 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज की है। भौगोलिक रूप से यह स्थान धार जिले के धामनोद से लगभग 69 किलोमीटर दक्षिण में स्थित बताया गया है। इसके अलावा, यह केंद्र प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर से करीब 129 किलोमीटर दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम दिशा में दर्ज किया गया है।भू-गर्भ विशेषज्ञों के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जमीन से महज 10 किलोमीटर नीचे यानी काफी कम गहराई पर होने के कारण इसका असर सतह पर स्पष्ट रूप से महसूस हुआ।

दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में मेरठ तीसरे स्थान पर



मेरठ(ईएमएस)। वायु गुणवत्ता खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है, जिससे शहर की हवा धूल और धुएं के गुबार में सिमट गई है। पिछले 72 घंटे से हवा की रफ्तार लगभग शून्य है और वातावरण में अत्यधिक आद्रता है, जिसके चलते प्रदूषक तत्व कहीं आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। शुक्रवार को दिनभर धूप गायब रही और आसमान में धुंध की घनी चादर छाई रही। रात नौ बजे एक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म पर मेरठ का रियल टाइम एक्यूआई 540 का स्तर छू गया। इस आंकड़े के साथ मेरठ दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में तीसरे नंबर पर रहा। इसी समय रोहतक और सिरसा क्रमशः 546 और 544 के एक्यूआई के साथ दुनिया के टॉप-2 सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में रिकॉर्ड किए गए। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के पोर्टल पर भी रात नौ बजे एमआईईटी केंद्र का एक्यूआई सर्वाधिक 337 दर्ज हुआ। शहर के पांचों निगरानी केंद्रों पर पीएम-10 और पीएम-2.5 प्रदूषक 350 से 500 के बीच दर्ज किए गए, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक स्तर है। तीन दिन से बनी धुंध-धुएं की चादर के कारण लोग सांस लेने में परेशानी महसूस कर रहे हैं। अस्थमा से पीड़ित मरीजों की स्थिति बिगड़ रही है, जबकि स्वस्थ व्यक्तियों को भी गले में खराश की शिकायत हो रही है। इस प्लेटफॉर्म ने मेरठ की हवा को बेहद खतरनाक मानते हुए लोगों को मास्क लगाने और अत्यधिक समय तक सीधे खुले में न रहने की सलाह दी है।मेरठ में हवा की गति लगभग शून्य होने और अधिकतम-न्यूनतम आद्रता का स्तर 96 एवं 69 फीसदी होने से शहर से निकलने वाले धूल-धुएं सहित सभी प्रदूषक आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं।

आईफोन और बाइक के लिए 13 वर्षीय लड़की ने नाना की हत्या कराई

कोच्चि, एजेंसी। केरल के करुवट्टा में 13 साल की लड़की ने अपने तीन नाबालिग दोस्तों के साथ मिलकर नाना की हत्या की साजिश रची। आरोप है कि आईफोन और दोस्त के लिए मोटरसाइकिल खरीदने के लिए पैसे जुटाने के मकसद से वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने किशोर न्याय बोर्ड में 740 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। आरोपियों में दो की उम्र 17 साल, एक की 16 साल और लड़की की उम्र 13 साल है। पुलिस के अनुसार, तीनों लड़के घर में घुसे और बुजुर्ग का मुंह कपड़े से बंद कर हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद मारपीट कर उनकी हत्या कर दी और करीब 36 ग्राम सोना चुरा लिया। जांच में सामने आया कि वारदात की योजना दो महीने पहले बनाई गई थी। आरोपी इंस्टाग्राम के जरिए संपर्क में थे।

महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामला

छह राज्यों में सीबीआई की ताबड़तोड़ छापेमारी, 33 ठिकानों पर दबिश



नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बहुचर्चित महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप घोटाले के खिलाफ देशव्यापी स्तर पर अब तक की सबसे बड़ी और निर्णायक कार्रवाई को अंजाम दिया है। जांच एजेंसी ने ओमान से प्रत्यर्पित किए गए मुख्य आरोपी और ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर से पूछताछ के दौरान मिले अहम सुरागों के आधार पर छह राज्यों के कुल 33 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। इस बहुराज्यीय कार्रवाई से अवैध सट्टेबाजी सिंडिकेट से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। सीबीआई अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, यह व्यापक छापेमारी अमृतसर, दिल्ली, नागौर, धौलपुर, भोपाल, रायपुर, दुर्ग, इंदौर, अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, मुंबई और नागपुर जैसे देश के प्रमुख शहरों में स्थित ठिकानों पर की गई है। जांच के दौरान कई स्थानों पर अवैध रूप से संचालित हो रहे लाइव बेटिंग और जुए के पैनल पकड़े गए, जिन्हें केंद्रीय टीम ने तुरंत प्रभाव से बंद करवा दिया है। छापों के दौरान भारी मात्रा में डिजिटल डिवाइस, मोबाइल फोन, लैपटॉप और कई गोपनीय दस्तावेज बरामद किए गए हैं।प्रारंभिक तकनीकी जांच में यह खुलासा हुआ है कि इस अवैध नेटवर्क में पैसों के भारी-भरकम लेन-देन के लिए 'म्यूल बैंक खातों' (दूसरों के नाम पर किराए पर या फर्जी तरीके से खोले गए बैंक खाते) और हवाला नेटवर्क का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा था।



यमुना एक्सप्रेसवे पर चलती बस में लगी आग, 40 यात्री सुरक्षित

मथुरा, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे पर राया के पास दिल्ली से छतरपुर जा रही एक निजी बस में अचानक आग लग गई। माइलस्टोन 110 के पास चलती बस आग की लपटों से घिर गई। आग देखकर यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को सड़क किनारे रोक दिया। इसके बाद बस में सवार करीब 40 यात्रियों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। बस में आग लगने से यात्रियों का अधिकांश सामान जलकर राख हो गया। घटना की सूचना मिलते ही यमुना एक्सप्रेसवे की दमकल टीम मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे के बाद बस पूरी तरह आग की चपेट में आ गई थी। चालक जितेंद्र ने बताया कि बस खजुराहो ट्रैवल्स की थी और दिल्ली के कश्मीरी गेट से यात्रियों को लेकर मध्य प्रदेश के छतरपुर जा रही थी। वह मध्य प्रदेश के नौगांव का निवासी है। आग लगते ही उसने बस रोक दी, जिससे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकलने का मौका मिल गया। पुलिस के देर से पहुंचने को लेकर यात्रियों में आक्रोश रहा। हालांकि, राहत की बात रही कि हादसे में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है।

कार में लगी आग, तीनों सवारों ने कूदकर बचाई जान

सिवनी-मंडला मार्ग पर ग्राम छुई के पास हुआ हादसा, मारुति इग्निस देखते ही देखते जलकर हुई खाक

सिवनी यश भारत। *सिवनी जिले के कान्हीवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिवनी-मंडला मार्ग पर ग्राम छुई के पास शुक्रवार रात एक चलती कार में अचानक भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से मारुति सुजुकी इग्निस कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई।*



गनीमत रही कि कार में सवार तीनों लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीन लोग मारुति सुजुकी इग्निस कार में सवार होकर सिवनी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम छुई के समीप अचानक कार के अंदर से धुआं उठने लगा। कार में धुआं भरता देख उसमें सवार लोगों को खतरे का अहसास हुआ और उन्होंने बिना देर किए कार से बाहर निकलना ही उचित समझा। तीनों के सुरक्षित बाहर निकलने के कुछ ही देर बाद कार में आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी कार आग की लपटों से घिर गई। सड़क से गुजर रहे लोगों ने कार को जलते देखा तो मौके पर भीड़ जमा हो गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही समय में कार का अधिकांश हिस्सा जल गया और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के चलते मार्ग पर कुछ समय के लिए लोगों की आवाजाही भी प्रभावित रही। घटना की सूचना मिलने पर कान्हीवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए जांच शुरू की। प्रारंभिक तौर पर आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। तकनीकी खराबी, शॉर्ट सर्किट अथवा किसी अन्य कारण से आग लगने की आशंका के पहलुओं की जांच की जा रही है। इस घटना में सबसे राहत की बात यह रही कि कार में सवार तीनों लोगों ने समय रहते वाहन से बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। यदि आग लगने के दौरान वे कार के अंदर ही रह जाते तो बड़ा हादसा हो सकता था।

पिछोर बनेगा मध्यप्रदेश का नया जिला ?

शिवपुरी, एजेंसी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शिवपुरी जिले के पिछोर में लाड़ली बहना योजना की 42वीं किस्त जारी की। सिंगल क्लिक के माध्यम से एक करोड़ 24 लाख से अधिक महिलाओं के खातों में 1,831 करोड़ 77 लाख रुपये की राशि अंतरित की गई। इसके साथ ही स्व-सहायता समूहों के लिए 200 करोड़ रुपये भी जारी किए गए। कार्यक्रम में पिछोर को जिला बनाने की मांग प्रमुखता से उठी। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग बैनर और पोस्टर लेकर पहुंचे थे। पिछोर विधायक प्रीतम लोधी ने भी मंच से मुख्यमंत्री के सामने जिला बनाने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोग लंबे समय से इस मांग को उठा रहे हैं और अब इस पर निर्णय होना चाहिए। इस पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में परिसीमन के बाद नए जिले और संभाग बनाने की संभावनाओं पर विचार किया जा सकेगा। पिछोर को जिला बनाने के संबंध में भी वर्ष 2027 में परिसीमन के बाद निर्णय लिया जाएगा। मुख्यमंत्री के इस बयान से फिलहाल तत्काल जिला बनाने की उम्मीद पर विराम लग गया है। पिछोर को जिला बनाने की मांग लंबे समय से चली आ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में भी इस संबंध में घोषणा की गई थी। इसके बाद से स्थानीय लोग लगातार मांग कर रहे हैं। इस बार भी लोगों ने कार्यक्रम में बैनर और पोस्टर के माध्यम से अपनी मांग मुख्यमंत्री तक पहुंचाई। विधायक प्रीतम लोधी ने मुख्यमंत्री के बयान के बाद कहा कि भाजपा में 'प्राण जाए पर वचन न जाए' की परंपरा रही है।

वियतनाम में बाग प्रिंट की धूम, 40 देशों के बीच चमकी मध्यप्रदेश की कला

हनोई के ग्लोबल क्राफ्ट फेस्टिवल में खत्री बंधुओं की प्रदर्शनी बनी आकर्षण

सिंगापुर और मलेशिया में भी करेंगे बाग प्रिंट का प्रचार

भोपाल, यश भारत।

मध्यप्रदेश की पारंपरिक हस्तशिल्प कला बाग प्रिंट अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना रही है। वियतनाम की राजधानी हनोई में 13 से 16 नवंबर तक आयोजित ग्लोबल क्राफ्ट फेस्टिवल में मध्यप्रदेश के मास्टर शिल्पकार मोहम्मद बिलाल खत्री और डॉ. मोहम्मद आरिफ खत्री भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 40 से अधिक देशों की भागीदारी वाले इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में खत्री बंधुओं की प्रदर्शनी विदेशी मेहमानों और कला प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। खत्री बंधु अपनी प्रदर्शनी के माध्यम से बाग प्रिंट की ऐतिहासिक विरासत पारंपरिक ठप्पा छपाई और प्राकृतिक रंगों के उपयोग की जानकारी दे रहे हैं। लोहे की भस्म वनस्पतियों और जड़ी बूटियों से तैयार रंगों तथा सागवान



की लकड़ी के पारंपरिक ठप्पों से तैयार इस कला की बारीकियां विदेशी प्रतिनिधियों को खासा प्रभावित कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांग को ध्यान में रखते हुए खत्री बंधुओं ने मलबरी सिल्क टसर सिल्क और कॉटन से बने दुपट्टे स्कार्फ स्टोल और होम फर्निशिंग के विशेष उत्पाद प्रदर्शित किए हैं। इनके डिजाइन और पारंपरिक शिल्प कौशल को खरीदारों स्थानीय नागरिकों और फैशन विशेषज्ञों की सराहना मिल रही है।

सिंगापुर की यूनिवर्सिटी में होगी कार्यशाला

हनोई के बाद 24 और 25 नवंबर को खत्री बंधु सिंगापुर की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय कार्यशाला, मास्टरक्लास और लाइव डेमोंस्ट्रेशन देंगे। इसमें विद्यार्थियों, प्रोफेसरों और फैशन डिजाइनरों को बाग प्रिंट की तकनीक से रूबरू कराया जाएगा। इसके बाद वे मलेशिया के दौरे पर जाएंगे जहां हस्तशिल्प संगठनों और फैशन ब्रांड्स के साथ संवाद करेंगे। मोहम्मद बिलाल खत्री के अनुसार फेस्टिवल के पहले दिन ही प्रदर्शनी को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। इस अंतरराष्ट्रीय सहभागिता से बाग प्रिंट के वैश्विक बाजार और निर्यात की संभावनाओं को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।



छह दिवसीय इंटर्नशिप ओरिएंटेशन में प्रशिक्षित होंगे भावी आयुर्वेदिक चिकित्सक

मानसरोवर आयुर्वेदिक कॉलेज में शिशिक्षा-2026 का शुभारंभ

भोपाल, यश भारत।

मानसरोवर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर भोपाल में बीएएमएस बैच 2021-22 के इंटर्न विद्यार्थियों के लिए छह दिवसीय अनिवार्य रोटेटरी इंटर्नशिप ओरिएंटेशन कार्यक्रम शिशिक्षा 2026 का शुभारंभ हुआ। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग के दिशा निर्देशों के तहत आयोजित यह कार्यक्रम 19 नवंबर तक चलेगा। कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. अनुराग सिंह राजपूत ने किया। उन्होंने बताया कि बेंच टू बेडसाइड थीम पर आधारित इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक चिकित्सा चिकित्सकीय नैतिकता अस्पताल प्रबंधन एवं आधुनिक नैदानिक पद्धतियों का प्रशिक्षण देना है। संस्थान की सीएमडी श्रीमती मंजुला तिवारी एवं सीईडी इंजीनियर गौरव तिवारी ने आयोजक मंडल और विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।



रेलवे ने घर पहुंचकर बनाए 49 पेंशनरों के डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र

छनेरा में मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक की पहल, बुजुर्ग और अस्वस्थ पेंशनरों को मिली बड़ी राहत

भोपाल, यश भारत।

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने पेंशनरों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए घर-घर जाकर डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) बनाने की पहल की है। इसी क्रम में शुक्रवार को छनेरा में मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक ने रेलवे पेंशनरों के आवास पर पहुंचकर 49 डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र तैयार किए। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों और अस्वस्थ पेंशनरों को जीवन प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कार्यालयों या अन्य स्थानों पर जाने की परेशानी से बचाना है। रेलवे कर्मचारी कल्याण विभाग की टीम घर पहुंचकर यह सुविधा उपलब्ध करा रही है जिससे पेंशनरों को काफी सहूलियत मिल रही है। मंडल रेल प्रशासन के अनुसार पेंशनरों की सुविधा और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए इस तरह के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं। घर पर ही डिजिटल प्रमाण पत्र बनने से बुजुर्गों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिली है। रेलवे की इस पहल की पेंशनरों ने सराहना की है।

दीपावली मिलन समारोह में शामिल हुए विधायक भगवानदास सबनानी

वार्ड 32 में पार्षद आरती अनेजा ने किया आयोजन, बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक और भाजपा कार्यकर्ता रहे मौजूद



भोपाल, यश भारत। दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 32 में शुक्रवार को पार्षद एवं जोन अध्यक्ष आरती राजू अनेजा द्वारा दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। इसमें विधायक भगवानदास सबनानी शामिल हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर विधायक सबनानी ने उपस्थित लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए मिष्ठान खिलाकर मुंह मीठा कराया। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व समाज में एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है। यह त्योहार केवल घरों को ही नहीं, बल्कि लोगों के दिलों को भी रोशन करने का संदेश देता है। उन्होंने सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

युवक ने किया ट्रैक्टर चालक पर कुल्हाड़ी से हमला

नर्मदापुरम/पिपरिया, यशभारत। स्टेशन रोड थाना अंतर्गत रिछेड़ा नदी के समीप रास्ते से हटने की बात को लेकर हुए विवाद के दौरान एक युवक ने ट्रैक्टर चालक पर कुल्हाड़ी से हमला कर घायल कर दिया।हमले में बीजनवाड़ा निवासी सचिन स्वामी (35) गंभीर रूप से घायल हो गए,उनके सिर पर कुल्हाड़ी का गहरा घाव लगा है। घटना के बाद घायल को उपचार के लिए पिपरिया के शासकीय अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि सचिन स्वामी शुक्रवार सुबह ट्रैक्टर लेकर खेत की ओर जा रहे थे।इस दौरान रिछेड़ा नदी के पास सड़क किनारे पुरुषोतम चौरसिया बैठा हुआ था। रास्ते में बैठे पुरुषोत्तम को सचिन ने ट्रैक्टर निकालने के लिए हटने को कहा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते में ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपी ने कुल्हाड़ी से सचिन पर हमला कर दिया।घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

निर्बाध बिजली और राजस्व वसूली पर बिजली कंपनी सख्त

फेल ट्रांसफार्मरों की वापसी और बकायादारों के कनेक्शन काटने की कार्रवाई में तेजी लाने को कहा

भोपाल, यश भारत।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने शुक्रवार को मिसरोद स्थित कार्यालय में भोपाल शहर की विद्युत आपूर्ति तकनीकी कार्यों और राजस्व वसूली की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने और निर्धारित समय-सीमा में राजस्व लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने प्रत्येक 11 केवी फीडर का सिंगल लाइन डायग्राम तैयार कर



वितरण ट्रांसफार्मरवार उपभोक्ता इंडेक्सिंग पूरी करने को कहा। फेल ट्रांसफार्मरों को एरिया स्टोर में जमा कराने और डीटीआर सर्वे व रीकंडीशनिंग कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए एमडी ने सक्रिय और निष्क्रिय बकायादारों से समयबद्ध वसूली करने तथा नियमानुसार बिजली कनेक्शन काटने को कहा। अटलांटिस और प्राइड सिटी उपकेंद्रों के खराब स्विचगियर के स्थायी समाधान के लिए कंपनियों का पैनल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने हिनोतिया फीडर के रखरखाव की समीक्षा के साथ मिसरोद उपकेंद्र का निरीक्षण किया। परिसर की सफाई और 8 एमवीए ट्रांसफार्मर का आगामी सप्ताह में निर्धारित रखरखाव कराने के निर्देश भी दिए।

कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय ने किया शुभारंभ

भेल स्थापना दिवस पर एक लाख पौधारोपण अभियान शुरू



भोपाल, यश भारत।

भेल भोपाल में शुक्रवार को स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। प्रशासनिक भवन परिसर में कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय ने भेल ध्वज फहराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान भेल गीत का प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम में महाप्रबंधक डीआरओ यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधि अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। स्थापना दिवस के अवसर पर भेल ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रगति वन गोविंदपुरा स्थित आठ नंबर गेट के पास एक लाख पौधारोपण अभियान शुरू किया। कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में शुरू हुए इस अभियान का मार्गदर्शन महाप्रबंधक (मानव संसाधन) हेमराम पटेल करेंगे। वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) समीर पॉल अभियान के समन्वय में सहयोग करेंगे। अभियान का उद्देश्य भेल उपनगरीय क्षेत्र में हरित क्षेत्र का विस्तार जैव विविधता को बढ़ावा और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखना है। इस पहल के माध्यम से भेल ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

89 हजार घरों का सर्वे, 4208 घरों में मिला मच्छरों का लार्वा

भोपाल में डेंगू के 206 और मलेरिया के 13 मरीज मिले

भोपाल, यश भारत।

राजधानी में डेंगू और मलेरिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं नगर निगम ने विशेष अभियान शुरू किया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार वर्ष 2026 में अब तक जिले में डेंगू के 206 और मलेरिया के 13 पॉजिटिव मामले सामने आए हैं। सितंबर से अब तक 89 हजार 702 घरों का सर्वे किया गया जिसमें 4208 घरों में मच्छरों का लार्वा मिला। वहीं 6 लाख 38 हजार



591 कंटेनरों की जांच में 5023 कंटेनरों में लार्वा पाया गया जिसे नष्ट किया गया। मलेरिया जांच के निर्धारित लक्ष्य का 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है। रोकथाम के लिए घर-घर सर्वे फॉगिंग लार्विसाइड छिड़काव और जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जल स्रोतों में 1 लाख 5 हजार गैम्बोसिया मछलियां भी छोड़ी गई हैं। नगर निगम ने नियमों का उल्लंघन करने वालों पर स्पॉट फाइन लगाने के निर्देश दिए हैं।



महिला एशियन हॉकी चैंपियनशिप को लेकर भोपाल में तैयारियां तेज

19 नवंबर से छह देशों की टीमें दिखाएंगी दमखम, मंत्री विश्वास सारंग ने शिक्षण संस्थानों से युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की अपील की

भोपाल, यश भारत। आगामी 19 नवंबर से भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में आयोजित होने वाली महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2026 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। आयोजन को जन उत्सव बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने टीटी नगर स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों के साथ बैठक की। इसमें प्रतियोगिता के प्रचार-प्रसार और विद्यार्थियों की भागीदारी पर चर्चा हुई। मंत्री सारंग ने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से भोपाल को वैश्विक खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। प्रतियोगिता में छह देशों की महिला हॉकी टीमें हिस्सा लेंगी। उन्होंने स्कूल-कॉलेजों से अधिक से अधिक विद्यार्थियों को स्टेडियम तक लाने की अपील की। उन्होंने बताया कि नाथू बरखेड़ा के हॉकी मैदान को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से कैटेगरी 1 प्रमाणपत्र मिला है। हैदराबाद के बाद भोपाल देश का दूसरा शहर है, जहां यह सुविधा उपलब्ध है। सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश खेल रैंकिंग में 17वें से तीसरे स्थान पर पहुंचा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में हर विधानसभा में खेल परिसर विकसित किए जा रहे हैं। प्रतियोगिता से युवाओं में खेल संस्कृति अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिलेगा।

12 नवंबर से 11 दिसंबर तक मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर प्राप्त करेंगे दावे-आपत्तियां, चार दिन लगेंगे विशेष शिविर

बनखेड़ी में 148 बीएलओ को दिया गया मतदाता सूची पुनरीक्षण का प्रशिक्षण

बनखेड़ी, यश भारत।

भारत निर्वाचन आयोग एवं कलेक्टर तथा जिला निर्वाचन अधिकारी नर्मदापुरम के निर्देशानुसार विधानसभा क्षेत्र 139 पिपरिया के अंतर्गत तहसील बनखेड़ी में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को लेकर शुक्रवार को जनपद पंचायत बनखेड़ी के सभाकक्ष में बीएलओ का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें मतदान केंद्र क्रमांक 196 से 343 तक के कुल 148 बूथ लेवल अधिकारियों एवं 14 सुपरवाइजरों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर एवं तहसील निर्वाचन शाखा प्रभारी उमाकांत मिश्रा ने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि सभी बीएलओ 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित



रहकर मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त 21 एवं 22 नवंबर तथा 5 एवं 6 दिसंबर को विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे।

प्रशिक्षण के दौरान बीएलओ को फार्म-6 के माध्यम से नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, फार्म-7 के जरिए मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपित करने तथा फार्म-8 के माध्यम से मतदाता सूची में स्थानांतरण एवं संशोधन की प्रक्रिया समझाई गई। सभी आवेदन बीएलओ एप के माध्यम से दर्ज करने के साथ ऑफलाइन फार्म भरना भी अनिवार्य बताया गया। प्रत्येक आवेदन के प्रथम पृष्ठ तथा मतदाता की घोषणा एवं हस्ताक्षर वाले पृष्ठ को अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए।

इस अवसर पर तहसीलदार एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्रीमती अंजू लोधी ने सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने से वंचित न रहे तथा किसी पात्र मतदाता का नाम अनावश्यक रूप से सूची से नहीं काटा जाए। उन्होंने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार पूरी जिम्मेदारी एवं सावधानी से कार्य करने की बात कही। प्रशिक्षण में प्रोजेक्टर के माध्यम से बीएलओ एप की कार्यप्रणाली भी समझाई गई। इस दौरान सभी 148 बीएलओ एवं 14 सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

राजधानी भोपाल में तेजी से लुढ़का रात का पाराः 12 डिग्री पर पहुंचा तापमान, 15 नवंबर के बाद बढ़ेगी ठंड और कंपकपी

भोपाल, यशभारत।

उत्तर-भारत की पहाड़ियों पर हो रही बर्फबारी और पश्चिमी विक्षोभ का असर अब मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में साफ तौर पर दिखने लगा है। नवंबर महीने के दूसरे सप्ताह के साथ ही मौसम का मिजाज बदल गया है। हालांकि दिन में अभी भी तेज धूप और गर्माहट बनी हुई है, लेकिन शाम ढलते ही सिहरन बढ़ने लगी है और रात के तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, राजधानी भोपाल में बीती रात न्यूनतम तापमान गिरकर 12.0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि दिन का अधिकतम तापमान 31.9 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल समेत प्रदेश के करीब 20 शहरों में रात का पारा 15 डिग्री से नीचे आ चुका है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले 10 सालों के मौसम ट्रेंड पर नजर डालें तो नवंबर के दूसरे पखवाड़े में ठंड का असर और अधिक तेज हो जाता है, और इस बार भी ऐसा ही रुख देखने को मिल रहा है।

मौसम केंद्र के जानकारों का अनुमान है कि वर्तमान में



उत्तर-पश्चिम भारत में सक्रिय सिस्टम के आगे निकलने के बाद उत्तर दिशा से आने वाली ठंडी हवाएं सीधे मध्य प्रदेश और भोपाल को प्रभावित करेंगी। इसके चलते अगले 4 से 5 दिनों में भोपाल समेत पूरे संभाग में रात के तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक की और गिरावट आ सकती है।

ऐतिहासिक आंकड़ों को देखें तो भोपाल में नवंबर के महीने में रात का न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड 6.1 डिग्री सेल्सियस तक 30 नवंबर 1941 को जा चुका है। इसके अलावा पिछले एक दशक के दौरान नवंबर माह में राजधानी में बारिश का ट्रेंड भी रहा है, जिससे आने वाले दिनों में ठंड के तेवर और तीखे होने की पूरी संभावना है।

एमपी के प्रमुख शहरों का तापमान

शहर	अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
भोपाल	31.9°C	12.0°C
इंदौर	31.8°C	11.6°C
ग्वालियर	34.2°C	16.4°C
जबलपुर	31.9°C	13.4°C
उज्जैन	32.8°C	14.0°C
दमोह	32.4°C	11.6°C
छिंदवाड़ा	30.4°C	11.8°C
खंडवा	35.1°C	16.4°C
खरगोन	34.6°C	17.0°C
सागर	33.0°C	18.4°C
रीवा	30.8°C	14.6°C
सतना	31.3°C	15.7°C



भोपाल में नकुलनाथ के पोस्टर उतरवाए गए, मनोज शुक्ला ने का विरोध

भोपाल,यश भारत।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में कांग्रेस नेता नकुलनाथ के कार्यक्रम से पहले एक नया विवाद सामने आया है। शहर में लगाए गए नकुलनाथ के होर्डिंग और पोस्टर कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही हटवा दिए गए। पोस्टर हटाए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसके बाद राजनीतिक हलकों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। मनोज शुक्ला ने आरोप लगाया कि आखिर नकुलनाथ के कार्यक्रम से पहले उनके पोस्टर और होर्डिंग क्यों हटवाए गए। किसके निर्देश पर यह कार्रवाई की गई।

जनार्दन मिश्रा के विरोध में कांग्रेसियों का प्रदर्शन, प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर जमकर की नारेबाजी

भोपाल सांसद आलोक शर्मा के बंगले का किया घेराव

भोपाल यश भारत।

राजधानी भोपाल में जनार्दन मिश्रा को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की। इस दौरान कांग्रेसियों ने अपना आक्रोश जाहिर करते हुए विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भोपाल के सांसद आलोक शर्मा के बंगले का घेराव भी किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जनार्दन मिश्रा के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की। कार्यकर्ताओं के इस विरोध प्रदर्शन के चलते राजनीतिक माहौल गरमा गया। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर हुए प्रदर्शन और सांसद के बंगले के घेराव को लेकर शहर में



राजनीतिक हलचल तेज हो गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध के माध्यम से अपनी आवाज बुलंद की। इस घटनाक्रम के बाद राजधानी की सियासत में एक बार फिर विरोध और आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

जीआईएस से पहले निवेश की तलाश में विदेश जाएंगे सीएम मोहन यादव

23 से 28 नवंबर तक सिंगापुर और दक्षिण कोरिया का दौरा, उद्योगपतियों से करेंगे मुलाकात

भोपाल,यश भारत। मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 23 नवंबर से सिंगापुर और दक्षिण कोरिया के छह दिवसीय दौरे पर रहेंगे। वे 28 नवंबर को भारत लौटेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री दोनों देशों के प्रमुख निवेशकों उद्योगपतियों और औद्योगिक



प्रतिनिधियों से मुलाकात कर प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। दौरे का मुख्य उद्देश्य फरवरी 2027 में भोपाल में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) से पहले विदेशी निवेशकों को मध्यप्रदेश की ओर आकर्षित करना है। मुख्यमंत्री उन्हें प्रदेश में उपलब्ध औद्योगिक सुविधाओं संसाधनों और निवेश अनुकूल नीतियों की जानकारी देंगे। साथ ही समिट में शामिल होने का न्योता भी देंगे।

गौरतलब है कि इससे पहले मुख्यमंत्री सितंबर में तीन दिवसीय दुबई दौरे पर गए थे। अब सिंगापुर और दक्षिण कोरिया की यात्रा से प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय निवेश के नए अवसर तलाशे जाएंगे।

छठ पूजा पर रेलवे की सौगात, रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल ट्रेनों की अवधि बढ़ाई

दोनों जोड़ी ट्रेनों के मिलेंगे अतिरिक्त फेरे, बिहार जाने वाले यात्रियों को मिलेगी राहत

भोपाल, यश भारत।

दीपावली और छठ पूजा पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे ने रानी कमलापति दानापुर के बीच संचालित दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। इससे भोपाल और आसपास के क्षेत्रों से बिहार जाने वाले यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी। रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति दानापुर स्पेशल 16 से 27 नवंबर तक तीन अतिरिक्त फेरे लगाएगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01668 दानापुर-रानी कमलापति 17 से 28 नवंबर तक तीन अतिरिक्त फेरे संचालित करेगी। इसी तरह गाड़ी संख्या



01661 रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल 11 से 25 नवंबर तक दो अतिरिक्त फेरे लगाएगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01662 दानापुर रानी कमलापति 12 से 26 नवंबर तक दो अतिरिक्त फेरे संचालित करेगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि ट्रेनों के ठहराव समय-सारणी और कोच संरचना में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यात्रियों से रेलवे के अधिकृत माध्यमों से आरक्षण और समय सारणी की जानकारी लेने की अपील की गई है।

सेंट्रल लाइब्रेरी ग्राउंड में देश विदेश के कुर्रा-ए-इकराम ने की तिलावत

भोपाल में 15वें आलमी मुज़ाहिरा किराते कुरआने करीम का आयोजन

भोपाल यश भारत।

आलमी अंजुमन ज़ीनतुल कुरआन के तत्वावधान में 13 नवंबर को सेंट्रल लाइब्रेरी ग्राउंड में 15वें आलमी मुज़ाहिरा किराते कुरआने करीम का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की। देश-विदेश से आए मशहूर कुर्रा ए इकराम ने अपनी सुरीली आवाज में पवित्र कुरआन की तिलावत पेश कर उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में मदीना मुनव्वरा, मिस्र, कतर, कीनिया और यमन



सहित भारत के अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कुर्रा-ए-इकराम शामिल हुए। उनकी दिलकश आवाज में कुरआन की तिलावत सुनने के लिए मैदान में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। पूरे आयोजन स्थल पर आध्यात्मिक और धार्मिक माहौल बना रहा।

आयोजकों द्वारा महिलाओं के लिए पर्दे की विशेष व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम का आयोजन आरिफ अकील फैन्स क्लब भोपाल के सहयोग से किया गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस मुज़ाहिरे में अकीदतमंदों की बड़ी भागीदारी रही।

भोपाल में निगम का अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, कई इलाकों से हटाए अवैध कब्जे

ठेले, गुमठी, शेड और निर्माण सामग्री सहित बड़ी मात्रा में सामान जब्त, यातायात बाधित करने वालों पर कार्रवाई

भोपाल, यश भारत।

शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए नगर निगम ने शुक्रवार को विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक अभियान चलाया। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने अवैध कब्जों को हटाते हुए बड़ी संख्या में सामग्री जब्त की। यह कार्रवाई सीएम हेल्पलाइन, महापौर हेल्पलाइन से मिली शिकायतों और नियमित अभियान के तहत की गई। निगम की टीम ने कोलार रोड के गेहूंखेड़ा में मकानों के बाहर बनाई गई अवैध बागड़ जवाहर चौक और सरस्वती नगर में चबूतरे हटाए। कोलार रोड पर आलोक धाम से डी मार्ट तक यातायात में बाधक दो लोडिंग ऑटो हटाए गए। राधापुरम



कॉलोनी से रेत गिट्टी की बोरियां अयोध्या बायपास से चार अवैध छप्पर और गुफा मंदिर क्षेत्र से टीन की चादरें हटाई गईं। अशोका गार्डन की इकबाल नगर कॉलोनी में दुकानों के बाहर बने अवैध शेड भी हटाए गए। कार्रवाई के दौरान निगम अमले ने नौ ठेले, दो काउंटर, चार बोर्ड, एक पानी की टंकी, तीन टेबल, एक बेंच और लोहे का पाइप सहित अन्य सामग्री जब्त की। निगम ने स्पष्ट किया कि शहर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

15 दिसंबर से एमपी ऑनलाइन पर मिलेंगे प्रवेश पत्र, ढाई घंटे की होगी परीक्षा

20 दिसंबर को होगी शिक्षक पात्रता परीक्षा, 34 हजार शिक्षक होंगे शामिल



भोपाल,यश भारत।

प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर माध्यमिक शिक्षा मंडल ने दिशा निर्देश जारी कर दिए हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार परीक्षा 20 दिसंबर को सुबह 11 बजे आयोजित होगी। परीक्षा की अवधि ढाई घंटे यानी 150 मिनट निर्धारित की गई है। परीक्षा में कुल 150 प्रश्न पूछे जाएंगे जो 150 अंकों के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार विकल्प दिए जाएंगे जिनमें से अभ्यर्थियों को एक सही विकल्प चुनना होगा। परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवार 15 दिसंबर से एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। इस परीक्षा में करीब 34 हजार शिक्षक शामिल होंगे। इनमें 20 हजार सरकारी और 14 हजार निजी स्कूलों के शिक्षक हैं। वहीं वर्ष 1998 से 2009 के बीच नियुक्त करीब डेढ़ लाख शिक्षक भी टीईटी के दायरे में आ रहे हैं। इसे लेकर प्रदेशभर के शिक्षकों में परीक्षा की तैयारी और नियमों को लेकर हलचल बनी हुई है।

सांची दूध के दाम में 4 रुपए की बढ़ोतरी पर कांग्रेस का हमला

अभिनव बारोलिया बोले अब दूध खरीदने के लिए भी लेना पड़ेगा लोन, आम जनता पर बढ़ेगा महंगाई का बोझ

भोपाल, यश भारत।

सांची दूध के पैकेट पर 4 रुपए की मूल्य वृद्धि को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। भोपाल कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव बारोलिया ने दाम बढ़ाने के फैसले पर नाराजगी जताते हुए तंज कसा कि अब आम जनता को दूध खरीदने के लिए भी लोन लेना पड़ेगा।

बारोलिया ने कहा कि पहले अमूल और अब सांची दूध के दाम में 4 रुपए की बढ़ोतरी करना आम लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डालने जैसा है। उन्होंने आरोप



लगाया कि भाजपा सरकार लगातार जरूरी वस्तुओं के दाम बढ़ाकर महंगाई से जूझ रहे परिवारों की परेशानी बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि दूध रोजमर्रा की आवश्यक वस्तु है। इसकी कीमत बढ़ने से बच्चों वाले परिवारों और मध्यमवर्गीय लोगों का घरेलू बजट प्रभावित होगा। कांग्रेस प्रवक्ता ने सरकार से मूल्य वृद्धि पर पुनर्विचार कर आम जनता को राहत देने की मांग की।

रानी तालाब और मंदिर परिसर का होगा कायाकल्प, बनेगा सुंदर पाथवे

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने विकास कार्यों की समीक्षा कर दिए निर्देश, चार एकड़ भूमि पर होगा पौधारोपण

भोपाल,यश भारत।

चोरहटा के बाबूपुर वार्ड क्रमांक 5 स्थित प्राचीन रानी तालाब और मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण कर कायाकल्प किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने शुक्रवार को मौके पर पहुंचकर प्रस्तावित विकास कार्यों का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि तालाब की मेढ़ के किनारों पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण कराया जाए। परिसर में मॉर्निंग वॉक और भ्रमण के लिए सुंदर पाथवे बनाया जाए। साथ ही पेवर ब्लॉक लगाने सुरक्षा के लिए फेंसिंग करने और आदिवासी बस्ती के पास विशेष



रूप से वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए। मंदिर परिसर की करीब चार एकड़ भूमि पर भी पौधारोपण और सौंदर्यीकरण कराया जाएगा। उन्होंने भूमि स्वामियों से सहमति लेकर दान पत्र की प्रक्रिया पूरी करने और जल्द टेंडर जारी करने को कहा। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को आवेदनों का समयबद्ध निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके बाद उप मुख्यमंत्री ने प्राचीन मड़फेश्वर महादेव मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की।

चिंतन-मनन

विकास की कसौटी

भारत आज दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। आर्थिक विकास के आंकड़े, बढ़ता बुनियादी ढांचा, एक्सप्रेसवे, आधुनिक रेल नेटवर्क, डिजिटल सेवाएं और औद्योगिक विस्तार देश की बदलती तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। विकसित भारत का सपना भी इसी प्रगति की मजबूत नींव पर खड़ा है। लेकिन इस चमकती तस्वीर के बीच एक सवाल लगातार सामने आता है कि क्या आर्थिक विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक समान रूप से पहुंच रहा है? क्या आम आदमी का जीवन उतना ही आसान और सुरक्षित हुआ है, जितनी तेजी से देश की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ रही है? आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया गया है। यह निश्चित रूप से उत्साहजनक उपलब्धि है। आर्थिक विकास से निवेश, उत्पादन, व्यापार और सरकारी राजस्व के अवसर बढ़ते हैं। इसके लिए सरकार की नीतियों, उद्योगों की भूमिका और बुनियादी ढांचे के विस्तार का महत्व भी स्वीकार करना होगा। हालांकि, जीडीपी की वृद्धि अपने आप में आम नागरिक की आर्थिक खुशहाली का पूरा प्रमाण नहीं हो सकती। विकास का वास्तविक अर्थ तब सामने आता है, जब उसका लाभ किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी, नौकरीपेशा व्यक्ति, युवा और मध्यमवर्गीय परिवार तक पहुंचे। आज आम परिवार की सबसे बड़ी चिंता महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार है। एक सामान्य परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा बच्चों की पढ़ाई, मकान के किराये, राशन, बिजली और चिकित्सा पर खर्च करता है। निजी अस्पतालों में इलाज और निजी शिक्षण संस्थानों की फीस लगातार बड़ी आर्थिक चुनौती बनती जा रही है। सरकारी अस्पतालों और विद्यालयों पर भी आबादी का दबाव है। ऐसे में आर्थिक विकास के आंकड़ों के साथ यह देखना भी जरूरी है कि आम आदमी की बचत बढ़ रही है या उसकी आय का अधिकांश हिस्सा जरूरी खर्चों में समाप्त हो रहा है। देश के सामने रोजगार का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। युवाओं के पास डिग्रियां हैं, तकनीकी शिक्षा है और आगे बढ़ने की आकांक्षा भी है, लेकिन उन्हें उनकी योग्यता के अनुरूप स्थायी रोजगार मिलना अभी भी बड़ी चुनौती है। केवल कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना पर्याप्त नहीं है। उद्योगों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, कृषि आधारित व्यवसायों और सेवा क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करने होंगे। स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने के साथ छोटे उद्यमियों को आसान ऋण, बाजार और तकनीकी सहायता उपलब्ध करानी होगी। शिक्षा और स्वास्थ्य को विकास की प्राथमिकता बनाना भी आवश्यक है। सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रशिक्षित शिक्षक, आधुनिक प्रयोगशालाएं और डिजिटल सुविधाएं सुनिश्चित होनी चाहिए। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता का अंतर कम करना होगा। इसी तरह सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सक, दवाएं, जांच सुविधाएं और बेहतर चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराना जरूरी है। स्वास्थ्य सेवा इतनी सुलभ हो कि किसी परिवार को बीमारी के कारण अपनी वर्षों की बचत या संपत्ति गंवानी न पड़े। विकास का एक महत्वपूर्ण पक्ष ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी है। किसान की आय, कृषि की लागत, सिंचाई, फसल का उचित मूल्य और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाए बिना समावेशी विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी, बुजुर्गों की सामाजिक सुरक्षा और कमजोर वर्गों के लिए बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता भी विकास के मूल्यांकन का हिस्सा होनी चाहिए। सरकार के लिए आवश्यक है कि बजट और नीतियां बनाते समय बड़े निवेश और विकास दर को प्राथमिकता के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, स्वच्छ पेयजल, सस्ती आवास व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जाए। योजनाओं की सफलता का आकलन इस आधार पर होना चाहिए कि उनका लाभ कितने लोगों तक पहुंचा और उनके जीवन में कितना वास्तविक बदलाव आया। इसके लिए पारदर्शिता, जवाबदेही और स्थानीय स्तर पर नियमित निगरानी जरूरी है। विकसित भारत का सपना किसी एक सरकार, संस्था या वर्ग का लक्ष्य नहीं बल्कि पूरे देश की सामूहिक आकांक्षा है। आर्थिक शक्ति और आधुनिक तकनीक इस लक्ष्य तक पहुंचने के महत्वपूर्ण साधन हैं, लेकिन अंतिम मंजिल नागरिकों की खुशहाली है। देश तभी वास्तव में विकसित कहलाएगा, जब किसी गरीब बच्चे को अच्छी शिक्षा के लिए संघर्ष न करना पड़े, किसी परिवार को इलाज के अभाव में परेशानी न झेलनी पड़े और किसी युवा को रोजगार के लिए अपनी योग्यता से समझौता न करना पड़े। जीडीपी देश की आर्थिक प्रगति बताती है, लेकिन आम आदमी के चेहरे की संतुष्टि ही विकास की वास्तविक सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

कड़वे वचन



किसी ने पूछाः मंदिर जाते हैं तो पहले घंटी क्यों बजाते हैं? मैंने प्रतिप्रश्न कियाः फोन आता है तो पहले घंटी क्यों बजती है? फोन की घंटी इशारा है कि किसी ने पुकारा है और मंदिर की घंटी भी इशारा है कि प्रभु तेरा ही सहारा है। मंदिर की घंटी के संग मन मंदिर की घंटी भी बजनी चाहिए। कहें- हे प्रभु मेरा नाथ तू है, दुनिया में हूं अकेला, पर मरे साथ तू है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-14 नवम्बर, 2026
दिन-शनिवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष



बिना मांगे सलाह देने से बचे लेनदेन के मामले में सतर्क रहें देवी पार्वती का पूजन करें

वृष



घर के बाहर वाद-विवाद से दूर रहे मन की इच्छा पूर्ण होगी चांदी की गिलास में पानी पिए

मिथुन



उधार लेने व देने से बचें विद्यार्थियों के लिए समय ठीक नहीं है मन में भटकाव रहेगा वट वृक्ष का पूजन करें

कर्क



रुका हुआ पुराना काम बन सकता है परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है ओम विधि रूपाय नमः का जाप करें

सिंह



वरिष्ठ ओं का मार्गदर्शन मिलेगा अपने ऊपर फोकस बनाए रखें भगवान शिव को जल चढ़ाएं

कन्या



कारोबारी कार्य में मन लगेगा लाभ के अवसर मिलेंगे लालच में ना फंसे ओम नमः पार्वती पति यह नमः का जाप करें

तुला



धन लाभ के अवसर बढ़ेंगे पारिवारिक चिंता रहेगी शुक्र ग्रह का पूजन करें

वृश्चिक



मन प्रफुल्लित रहेगा तेज ड्राइविंग से बचे हनुमानजी के दर्शन करे

धनु



आज मनमाफिक काम होंगे पुरानी स्मृतियों का मन पर कब्जा रहेगा ब्राह्मणों को दान दे

मकर



घूमने फिरने की योजना साकार होगी मनचाहे लोगों का साथ मिलेगा हाइपर होने से बचे शनि का पूजन करें

कुंभ



दिन तनाव भरा कठिन रहेगा शाम की बात मन प्रसन्न रहेगा पीपल के वृक्ष में दिया लगाएं

मीन



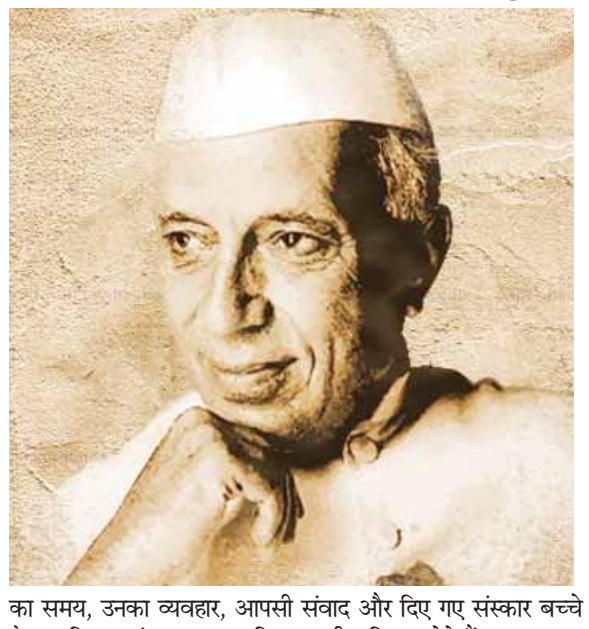
लोगों के मैसेज पढ़ कर मन प्रसन्न होगा तारीफ होगी लालच में ना फंसे गुरुओं की सेवा करें

14 नवंबर बाल दिवसः अधिकार, संस्कार और सुनहरे भविष्य का संकल्प

बच्चों के मौलिक अधिकारों, उनकी शिक्षा, पोषण, सुरक्षा और सर्वांगीण विकास के प्रति समाज को जागरूक करने तथा उन्हें सुरक्षित एवं रचनात्मक वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से हमारे देश में प्रत्येक वर्ष 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती का भी अवसर है, जिन्हें बच्चे स्नेहपूर्वक चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे। वास्तव में, बाल दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य बच्चों को शोषण से बचाकर उनके अधिकारों की रक्षा करना, उन्हें अच्छी शिक्षा एवं समुचित पोषण उपलब्ध कराना और उनके संपूर्ण विकास के लिए सुरक्षित तथा खुशहाल वातावरण तैयार करना है, ताकि वे देश के बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें।गौरतलब है कि वर्ष 1889 में जन्मे पंडित जवाहरलाल नेहरू की वर्ष 2026 में 137वीं जयंती है। वर्ष 1964 में उनके निधन के बाद से 14 नवंबर को बाल दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई और इस वर्ष इसका 63वाँ आयोजन है। वहीं, प्रतिवर्ष 20 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय बाल दिवस (विश्व बाल दिवस) मनाया जाता है। इस अवसर पर यूनिसेफ बच्चों के अधिकारों, कल्याण और उनके बेहतर भविष्य से जुड़े मुद्दों को वैश्विक स्तर पर प्रमुखता देता है तथा प्रतिवर्ष इस दिशा में एक विशेष विषय पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

आज हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के तेज रफ्तार युग में जी रहे हैं। ऐसे में बाल दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं, बल्कि बच्चों के बदलते बचपन और उनके सामने उभरती नई चुनौतियों पर गंभीर चिंतन करने का अवसर भी बन गया है। कहना गलत नहीं होगा कि आज के बच्चे मिट्टी के खिलौनों और दादी-नानी की कहानियों की दुनिया से निकलकर स्मार्टफोन, टैबलेट और एल्गोरिदम की आभासी दुनिया में बड़े हो रहे हैं। जहाँ एक ओर एआई ने व्यक्तिगत शिक्षा, त्वरित ज्ञान और दिव्यांग बच्चों के लिए सीखने के नए द्वार खोले हैं, वहीं दूसरी ओर तैयारशुदा और पलभर में मिलने वाले उत्तरों की सुविधा ने उनकी मौलिक कल्पनाशीलता, जिज्ञासा और स्वयं प्रयास करके सीखने की प्रवृत्ति के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी कर दी हैं।ऐसे में इस बाल दिवस की सबसे बड़ी सार्थकता यही है कि हम बच्चों को तकनीक का गुलाम बनाने के बजाय उसका विवेकशील उपयोगकर्ता बनाएं। उनके हाथों में स्मार्ट उपकरण थमाने के साथ-साथ उनके भीतर मानवीय संवेदनाओं, खेल के मैदान की ऊर्जा और प्रकृति से जुड़ाव की लौ भी जीवित रखें। तकनीक उनके ज्ञान और विकास का साधन बने, न कि उनके स्वाभाविक बचपन और रचनात्मकता पर हावी होने का माध्यम।

वास्तव में, बाल दिवस आत्ममंथन करने का दिन है कि हम अपने बच्चों को कैसा बचपन और कैसा भविष्य दे रहे हैं। आज जब दुनिया तेजी से बदल रही है, तकनीक बच्चों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुकी है और प्रतिस्पर्धा का दबाव कम उम्र में ही उनके मन-मस्तिष्क पर हावी होने लगा है, तब बच्चों के विकास को केवल अच्छे अंक और बेहतर करियर तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। सच तो यह है कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सबसे पहले उन्हें सुरक्षित, स्नेहपूर्ण और भयमुक्त वातावरण देना जरूरी है। हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि बच्चे का व्यक्तित्व केवल स्कूल की चारदीवारी में नहीं बनता, बल्कि परिवार, समाज, मित्रों और परिवेश से भी आकार लेता है। माता-पिता



का समय, उनका व्यवहार, आपसी संवाद और दिए गए संस्कार बच्चे के मानसिक एवं भावनात्मक विकास की बुनियाद होते हैं। अतः आज जरूरत इस बात की है कि माता-पिता बच्चों पर अपनी अपेक्षाएँ थोपने के बजाय उनकी रुचियों, क्षमताओं और भावनाओं को समझें तथा उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने के पर्याप्त अवसर दें।

स्वामी विवेकानंद के शब्दों में कहें तो, मनुष्य की अंतर्निहित पूर्णता को अभिव्यक्त करना ही शिक्षा है। अर्थात् शिक्षा भीतर छिपी श्रेष्ठ संभावनाओं को बाहर लाने का माध्यम है। सरल शब्दों में कहा जा सकता है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना और नौकरी प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक संवेदनशील, विवेकशील तथा जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी है।सच तो यह है कि बच्चों को सवाल पूछने, तर्क करने, नई चीजें सीखने और अपनी कल्पनाशक्ति को अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। रटने और अंकों की अंधी दौड़ से बाहर निकलकर शिक्षा को रचनात्मकता, व्यावहारिक ज्ञान और जीवन-मूल्यों से जोड़ना समय की मांग है। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो बच्चों को केवल प्रतिस्पर्धा करना ही नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का सामना करना, सही-गलत में अंतर समझना और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना भी सिखाए।

आज के डिजिटल दौर में बच्चों को मोबाइल और आभासी दुनिया तक सीमित रखने के बजाय मैदान, पुस्तकालय, प्रकृति और वास्तविक सामाजिक जीवन से जोड़ना भी बेहद जरूरी है। बच्चों के विकास में खेलकूद, पौष्टिक भोजन, पर्याप्त नींद और नियमित दिनचर्या की अहम भूमिका होती है। खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे अनुशासन, सहयोग, नेतृत्व, धैर्य और हार को स्वीकार करने की सीख भी देते हैं। इसी तरह संगीत, साहित्य, कला और अन्य रचनात्मक गतिविधियाँ बच्चों की संवेदनशीलता, कल्पनाशक्ति और अभिव्यक्ति क्षमता को समृद्ध करती हैं।इसके साथ ही,आज बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी अत्यंत आवश्यक है। हमें समझना होगा कि हर बच्चा एक जैसा नहीं होता। किसी की रुचि विज्ञान में होती है तो किसी की साहित्य, खेल, संगीत या कला में। किसी की सीखने की गति तेज होती है तो किसी को थोड़ा अधिक समय चाहिए। ऐसे में बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से करना, छोटी-छोटी गलतियों पर उन्हें अपमानित करना और असफलता को अपराध की तरह देखना उनके आत्मविश्वास को कमजोर करता है। बच्चों को यह भरोसा मिलना चाहिए कि असफलता जीवन का अंत नहीं, बल्कि सीखने और आगे बढ़ने का एक अवसर है।बच्चों में संवेदनशीलता, समानता, पर्यावरण संरक्षण, बुजुर्गों के प्रति सम्मान, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे जीवन-मूल्यों का विकास भी जरूरी है। हमारी जिम्मेदारी केवल उन्हें सफल व्यक्ति बनाना नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान बनाना भी है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास की बात तब तक अधूरी है, जब तक समाज उनके मौलिक अधिकारों और सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं समझता। बाल श्रम, बाल विवाह, शोषण, लैंगिक भेदभाव और शिक्षा से वंचित बच्चों की समस्याओं के प्रति समाज को गंभीर होना होगा। प्रत्येक बच्चे को बिना किसी भेदभाव के समान अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पर्याप्त पोषण और सुरक्षित वातावरण मिलना उसका मौलिक अधिकार है, किसी का उपकार नहीं।यह भी जरूरी है कि परिवार, विद्यालय, समाज और सरकार मिलकर ऐसा वातावरण तैयार करें, जहाँ बच्चे बिना किसी भय और दबाव के अपनी प्रतिभा को निखार सकें। उनकी बात सुनी जाए, उनकी जिज्ञासाओं को प्रोत्साहित किया जाए और उनकी समस्याओं को गंभीरता से समझा जाए। बच्चों के अधिकारों की रक्षा केवल कानूनों और सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है, इसके लिए सामाजिक संवेदनशीलता और सामूहिक जिम्मेदारी भी उतनी ही जरूरी है।

बाल दिवस हमें याद दिलाता है कि बच्चे केवल देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी हैं। यह दिन पंडित जवाहरलाल नेहरू के उस सपने की याद दिलाता है, जिसमें हर बच्चा शिक्षित, स्वस्थ और सुरक्षित हो। यह अवसर हमें संकल्प लेने के लिए प्रेरित करता है कि बिना किसी भेदभाव के सभी बच्चों को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें तथा समाज उन्हें बाल श्रम, शोषण और अन्य सामाजिक बुराइयों से बचाने के लिए सजग रहे।बच्चों को केवल किताबी ज्ञान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें अच्छे संस्कार, प्रेम, संवेदनशीलता और नैतिक मूल्य देना भी उतना ही आवश्यक है। यदि आज के बच्चों को उचित मार्गदर्शन, शिक्षा, पोषण और सुरक्षित वातावरण मिलेगा, तो कल का भारत स्वतः ही सशक्त और समृद्ध बनेगा। हर बच्चे को खिलखिलाने, खेलने, अपनी जिज्ञासाओं को उड़ान देने और सपनों को साकार करने का पूरा अधिकार मिलना चाहिए।

अंततः, बाल दिवस की सच्ची सार्थकता केवल समारोहों, भाषणों और उपहारों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह हमारे व्यवहार और सामाजिक जिम्मेदारी में भी दिखाई देनी चाहिए, क्योंकि जिस समाज का बचपन सुरक्षित, शिक्षित, स्वस्थ और खुशहाल होता है, उसी समाज का भविष्य उज्ज्वल होता है।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार)

स्त्री-प्रश्नों पर मूक होता समाज

सद्य विवाहिताओं की मृत्यु के मामले अक्सर मीडिया में चर्चित होते रहते हैं। इन मामलों में देखने में आता है कि इनकी शिकार बनने वाली महिलाएं लगातार ऐसी परिस्थितियों के बीच रहने को विवश होती हैं जिनमें किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए जीना मुश्किल होता है। ऐसे मामले होने के बाद लड़कियों के घरवाले ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना सहित कई तरह के आरोप लगाते हैं और उन्हें मरने हेतु विवश करने या जान लेने का दोषी बताते हैं। इन सभी मामलों में सबसे कॉमन चीज यह है कि दहेज के लालच में या लड़की के परिवार से पैसे ऐंठने के चक्कर में ऐसी घटनाएं होती हैं। एक सामाजिक के रूप में दहेज देने वाला अपराध में, दहेज लेने वाले के बराबर ही हिस्सेदार होता है। लड़के के साथ ही लड़की के माता-पिता भी इसमें बराबर के दोषी होते हैं।

हमारे देश में दहेज हत्या की दर बहुत चिंताजनक है। दहेज निषेध अधिनियम 1961 से लागू होने के बावजूद दहेज की वजह से होने वाली मृत्यु में वृद्धि इस प्रथा की लगातार बढ़त को दर्शाती है। दहेज के लिए अब भी बहुत महिलाओं को उत्पीड़न, मारपीट और आत्महत्या जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। इस संबंध में कई सारी धाराएं हैं जिनमें आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान किया गया है लेकिन लम्बी जाँच प्रक्रिया की वजह से दोषियों को सजा मिलना दुर्लभ बना हुआ है। गवाही देने के लिए कोई भी तैयार नहीं होता, जानते-बुझते सब अपना मुँह सी लेते हैं, ऐसे में सजा हो पाना सम्भव ही नहीं रह जाता। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार भारत में 2017 से 2022 के बीच प्रतिवर्ष औसतन 7,000 दहेज से संबंधित हत्याएँ दर्ज की गईं। इन आँकड़ों में वे मामले शामिल नहीं होते जिनकी शिकायत नहीं की जाती। विश्व बैंक द्वारा वर्ष 1960 से 2008 तक ग्रामीण भारत में किये गए एक अध्ययन में पाया गया कि 95% शादियों में दहेज दिया गया था। यानी दहेज शादी का पर्याय हो चुका है।



दहेज के कारण बड़ी संख्या में होने वाली मौतों के बावजूद इस प्रथा का जारी रहना यह बताता है कि किसी सामाजिक समस्या को कानून बनाने मात्र से हल नहीं किया जा सकता। पिछले सालों में जिस तरह की भव्य शादियों का ट्रेंड हुआ है इससे यह कुप्रथा और भी बढ़ रही है। आत्मनिर्भर और शिक्षित लड़कियों की शादियों में भी खुलकर दहेज दिया जा रहा है। फिर कैसे यह सब रुकेगा जब समाज इसका भिन्न-भिन्न कारण बताकर महिमामंडन भी किए जा रहा है? यह प्रथा महिलाओं का वस्तुकरण करती है और पितृसत्तात्मक समाज में लैंगिक भेदभाव को बनाए रखने का माध्यम बनती है। दहेज का मुद्दा एक समाज के रूप में हमारे लिए विषय कभी नहीं बनता। इसमें सभी बराबर के भागीदार हैं। बेटी को दहेज दिया ही इसलिए जाता है कि उसका हिसाब बेटे की शादी में कर लिया जाएगा। दहेज किस तरह भारतीय पारिवारिक व्यवस्था में औरत को दोयम दर्जे पर बनाए रखने की पुख्ता व्यवस्था करता है इस पर कोई बहस नहीं होती। दहेज आर्थिक मसला नहीं है न केवल यह महिलाओं की शिक्षा या आर्थिक आत्मनिर्भरता से जुड़ा है। यह पूरी व्यवस्था पैतृक सम्पत्ति से स्त्रियों को अलग करने और ताउम्र उन्हें पुरुष पर निर्भर रखने के लिए बनाई गई है। बेटी को सम्पत्ति के हक से महरूम करना और दहेज देना एक ही विषय के दो पहलू हैं। सम्पत्ति में हक नहीं देना पड़े इसीलिए दहेज दिया जाता है। इससे लड़कियाँ अहसान के रूप में उम्रभर भावनात्मक रूप से अपने परिवार पर निर्भर बनी रहती हैं। यह स्त्रियों को सदैव पराधीन बनाए रखने का तन्त्र है जिसे थोड़ा नुकसान झेलकर बनाए रखा जा सकता है। लड़की को दिए जाने वाले दहेज पर भी उसका अपना कोई हक नहीं होता वह अगले परिवार की सम्पत्ति है। बहुत सारा दहेज देकर विदा की हुई बेटी भी अपने घर में लौट नहीं सकती है। कोई समस्या होने पर अधिकांश लड़कियों का परिवार उन्हें अकेला छोड़ देता है और मृत्यु तक सब कुछ ठीक होने का इंतज़ार करता है। यह किस दर्जे की क्रूरता है? भारत में विवाह जहाँ एक सामाजिक मसला है वहीं विवाह में आने वाली समस्या को निजी माना गया है। इन दोनों के अन्तर्विरोध से भारतीय विवाह समस्याओं और संकटों के कुरुक्षेत्र बनने को बाध्य रहते हैं। सामाजिक दबाव के कारण परिवार दहेज मांगों को पूरा करना जहाँ अपनी मजबूरी मानते हैं वहीं इस वजह से होने वाली हिंसा का सामान्यीकरण किया जाता है। उत्पीड़न और हिंसा के अनेक मामलों की रिपोर्ट ही नहीं की जाती। समाज दहेज लोभी परिवारों का विरोध करने की बजाय इस गैरकानूनी प्रथा को प्रत्यक्ष या परोक्ष तरीके से बढ़ावा देने का काम करता है। इस पूरी व्यवस्था में महिलाएं, भले ही वह माँ हो या सास पितृसत्ता की सबसे बड़ी पैरोकार बनकर खड़ी होती हैं। वे लड़की के होने को, उसकी सगाई टूटने को, शादी के बाद वापस घर लौटने को, अलग हो जाने को, लड़की के अस्मिता बोध को परिवार के लिए शर्म की तरह परिभाषित करती हैं। इस तरह लड़की के लिए स्वयं को बचाए रखने का कोई रास्ता समाज नहीं छोड़ता।प्रश्न यह है कि क्या इन मौतों से हमारे समाज को कोई फ़र्क पड़ता है, फ़र्क यदि पड़ता तो देशभर में रोज-रोज ऐसी घटनाएं दोहराई जाती रहती? लोग इन घटनाओं को सामाजिक व्यवस्था की उपज और अनिवार्य स्थिति नहीं मानते बल्कि दुर्घटनाओं की तरह मानते हैं। इससे उन्हें इन घटनाओं के पीछे की कहानी में अपनी भूमिका को विश्लेषित नहीं करना पड़ता, वे स्वयं अपराध-बोध से मुक्त रहते हैं। ऐसी मनोवृत्ति में ही इस तरह की घटनाएँ दोहराई जाती रहती हैं। इन्हें लड़की का दुर्भाग्य मानकर छोड़ दिया जाता है। यही कारण है कि ऐसे आरोप वाले परिवारों में लोग अपनी बेटियां देने में नहीं हिचकते, उन लड़कों का बहुत जल्द पुनर्विवाह हो जाता है। लड़की के मरने को समाज में समस्या के तौर पर नहीं देखा जाता बल्कि शर्म मानकर उसे दबा दिया जाता है। समाज की स्मृति में इन हत्याओं का कोई स्थान नहीं होता। दहेज के लिए होने वाली हत्याओं में कितनों को सजा होती हैं, वे केस फिर कुछ ले-देकर उठा लिए जाते हैं। जब तक समाज में महिलाओं को अपने निर्णय लेने की आजादी नहीं होगी तब तक ऐसे मामले होते ही रहेंगे। अकेले व्यक्ति से गलती हो सकती है लेकिन एक व्यवस्था जिस गलती को सालों-साल दोहराती है वह गलती नहीं सामाजिक निर्णय होता है। उन निर्णयों के बदलने हेतु सामाजिक संरचना को बदलना आवश्यक होता है। लड़कियों को ही अपने बारे में सोचना पड़ेगा। माता-पिता पर भावनात्मक निर्भरता ठीक है किन्तु अपनी कदर भी उन्हें करनी सीखनी चाहिए। उन्हें ही अपने लिए रास्ते बनाने होंगे, समाज उनके लिए सदैव से एक बंद रास्ता ही है।

(डॉ. मोनिका भाम्भू कलाना -यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850-1900 के पूर्व-औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र-स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र-स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है।

इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इसके कारण



2027 में अत्यधिक गर्मी, सूखा और भारी वर्षा जैसी चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है। अर्थात खतरा केवल आज का नहीं है। आने वाला वर्ष भी मानवता को प्रकृति के कठोर रूप का सामना करा सकता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण मंत्रालयों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय मानना अब गंभीर भूल होगी। यह स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, जलस्रोत, आवास और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका सबसे बड़ा बोझ उन देशों और समुदायों पर पड़ रहा है, जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं-विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना।

दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा-रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी-31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी?

पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग-हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं।

(लेखक - ललित गर्ग, लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

एसपी अमित सक्सेना का औचक धमाका!

पुलिस लाइन और रक्षित केंद्र का किया निरीक्षण

आर्मोरी से लेकर कैंटीन तक परखीं व्यवस्थाएं - बोले, जवानों की सुविधा ही पुलिस की ताकत '

यश भारत, बैतूल। बैतूल जिला पुलिस अधीक्षक अमित सक्सेना ने शुक्रवार (13 नवंबर 2026) को रक्षित केंद्र (पुलिस लाइन) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ रक्षित निरीक्षक प्रदीप रघुवंशी भी मौजूद थे। एसपी ने लाइन की विभिन्न शाखाओं, कल्याणकारी गतिविधियों और निर्माणाधीन परिसरों का जायजा लिया तथा गतत अधिकारियों को व्यवस्थाओं में सुधार और कसावट लाने के कई निर्देश दिए।

कल्याणकारी गतिविधियों की समीक्षाः

पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए संचालित पुलिस पेट्रोल पंप, कैंटीन, जिम्नेशियम और बैडमिंटन हॉल का निरीक्षण कर इनकी व्यवस्थाओं को और बेहतर ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए।

निर्माणाधीन आवासीय परिसर पर जोरः

एसपी ने निर्माणाधीन पुलिस आवासीय भवनों



का भी जायजा लिया। उन्होंने साफ निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए तथा काम समयसीमा में पूरा हो।

जवानों से संवादः

पुलिस लाइन स्थित ग्राउंड, स्टोर और एसएमआर कैंप का भ्रमण कर एसपी ने पदस्थ जवानों से सीधे बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जवानों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के मुख्य बिंदु और दिशा-निर्देशः

- शस्त्रागार और परिसर का जायजाः एसपी ने रक्षित केंद्र की भंडार शाखा, शाखा, वाहन शाखा, अमीनिया शाखा और एसएमआर कैंप का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने शस्त्रों की सुरक्षित भंडारण और सभी शस्त्र रजिस्टरों का विधिवत संधारण करने के निर्देश दिए।

- वाहनों का रख-रखाव

पुलिस वाहनों की नियमित जांच-सफाई, ऑयल-पानी की जांच और समय पर सर्विसिंग को मेंटेनेंस सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि जरूरत पड़ने पर सभी वाहन तत्काल उपयोग में लिए जा सकें।

अंत में, एसपी अमित सक्सेना ने स्पष्ट किया कि पुलिस लाइन और रक्षित केंद्र की व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त, स्वच्छ और कार्यशील होनी चाहिए, ताकि बल के उपयोग में आने वाली समस्याओं का बेहतर ढंग से सदुपयोग हो सके।

पुलिस लाइन की व्यवस्थाएं हों और बेहतर - एसपी

सारनी में सत्ता का रौब या इंसाफ का गला?

भाजपा पार्षद पति पर WCL कर्मी आदिवासी दंपति से मारपीट, जातिसूचक गालियों और जान से मारने की धमकी का गंभीर आरोप - चौकी में समझौते का दबाव, पीड़ित पहुंचा एसपी के दरबार '

यश भारत,बैतूल / सारनी। सारनी मध्य प्रदेश के बैतूल जिले के पाथाखेड़ा क्षेत्र से एक बेहद निंदनीय और शर्मनाक मामला सामने आया है। वार्ड क्रमांक 29 की महिला पार्षद के पति राजेश पटैया और उनके साथियों पर एक गरीब कोल आदिवासी परिवार (ड्रायवर्कर्मी) के साथ मारपीट करने, जातिसूचक अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने और खुलेआम जान से मारने की धमकी देने का गंभीर आरोप लगा है। इस घटना से स्थानीय आदिवासी समाज और आम नागरिकों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

मामला क्या था?

पीड़िता भारती तुमडाम के पति श्री कृष्णा तुमडाम, निवासी पाथाखेड़ा, जो ड्रायवर्कर में चपरासी के पद पर कार्यरत हैं, ने बताया कि दिनांक 01/11/2026 (रविवार) को उनके पति घर के पीछे आंगन में बैठकर छोटे से बॉक्स में गाने



सुन रहे थे। इसी दौरान मामूली सी बात पर विवाद शुरू हुआ। आरोप है कि कुछ ही देर बाद पार्षद पति राजेश पटैया अपने साथियों के साथ दो चारपहिया वाहनों में सवार होकर वहां पहुंचे। कृष्णा तुमडाम को घर से बाहर खींचकर उनके साथ लात-घूंसों से बेरहमी से मारपीट की गई। बीच-बचाव करने आई उनकी पत्नी भारती तुमडाम को भी धक्का देकर नीचे गिरा दिया गया। जातिसूचक गालियां और सत्ता की हनक - पीड़िता द्वारा पुलिस अधीक्षक को दिए गए लिखित आवेदन और बातचीत में यह बात सामने आई है कि आरोपियों ने मारपीट के दौरान 'गोंड गंवार, साले गंदी नाली के कीड़े' जैसे बेहद अपमानजनक और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया। इतना ही नहीं, पार्षद पति ने अपनी राजनीतिक पहुंच का रौब दिखाते हुए यहां तक कहा - 'मैं क्षेत्र का नेता हूँ, तू मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकता, तुझे जिंदा गाड़ दूंगा और जहाँ दिखेगा मार डालूंगा।'

पुलिस चौकी में लीपापोती और समझौते का दबाव

घटना के तुरंत बाद जब पीड़ित दंपति थाने/चौकी पहुंचे, तो आरोप है कि पुलिस ने निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय रसूखदार पार्षद पति के दबाव में आकर समझौते का दबाव बनाया। पीड़िता का आरोप है कि पुलिस ने उनकी एक नहीं सुनी और उल्टे उनसे ही सारी बुलवाकर मामले को दबाने की कोशिश की, जिससे प्रताड़ित परिवार को न्याय के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। हार मानकर पीड़ित परिवार ने जिला मुख्यालय बैतूल पहुंचकर पुलिस अधीक्षक (स्क) को इस संबंध में लिखित आवेदन सौंपा है और न्याय की गुहार लगाई है। विशेष नोट : इस पूरे प्रकरण पर पार्षद पति (राजेश पटैया) का पक्ष अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है। उनका वर्जन/पक्ष मिलने के बाद उसे भी इस खबर में प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया जाएगा।

कोतवाली पुलिस की बड़ी सफलता !

हत्या के प्रयास का 5000 का इनामी फरार आरोपी अमन चन्द्रसूर्या गिरफ्तार, इटारसी रोड से दबोचा, अपराधियों में हड़कंप

यश भारत, बैतूल। बैतूल पुलिस अधीक्षक श्री अमित सक्सेना के निर्देशन में कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे 5 हजार रुपये के इनामी आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

07 जुलाई 2026 की सुबह करीब 05:00 बजे सोनाघाटी माता मंदिर के सामने हुई चाकूबाजी के मामले में 05 हजार रुपये के इनामी फरार आरोपी अमन चन्द्रसूर्या गिरफ्तार।

दो प्रकरणों में फरार था आरोपी अमन चन्द्रसूर्या, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार जुटी थी।

सूचना पर ईटारसी रोड तरफ घूम रहे आरोपी को पुलिस टीम ने अभिरक्षा में लेकर किया गिरफ्तार।

1. अमन चन्द्रसूर्या पिता कैलाश चन्द्रसूर्या उम्र 21 वर्ष, निवासी कंपनी गार्डन, कोठी बाजार, बैतूल

सराहनीय भूमिका -

थाना प्रभारी निरीक्षक देवकरुण डेहरिया, उनि छत्रपाल धुर्वे, उनि चित्रा कुमरे, प्र.आर. 143 दिनेश निमोदा, आर. क्र. 56 नितिन चौहान, आरक्षक 474 राहुल शर्मा, आर. 722 कमलेश पाल, आर. क्र. 432 दुर्गेश वर्मा सहित थाना कोतवाली पुलिस टीम।

पुलिस की तत्परता से अपराधियों में हड़कंप, जिले में कानून व्यवस्था मजबूत।

दर्शन की यात्रा बन गई मौत की यात्रा!

बरेठा घाट में कार-कंटेनर की भीषण भिड़ंत, अधिवक्ता सहित 2 की दर्दनाक मौत, 2 घायल - चंद्रपुर से नलखेड़ा जा रहे थे श्रद्धालु '

यश भारत, बैतूल। बैतूल कार और कंटेनर की भिड़ंत में कार सवार जहां दो लोगों की मौत हो गई है वहीं दो अन्य घायल हो गए हैं। यह एक्सीडेंट जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर नागपुर-भोपाल फोरलेन पर बरेठा घाट में गुरुवार-शुक्रवार मध्य रात्रि में हुआ।

शाहपुर थाना प्रभारी नीरज पाल ने बताया कि चंद्रपुर निवासी पेशे से अधिवक्ता राजू हेपट (50), राहुल कनाके (25), सूरज ढोके (27) एवं निखिल पावड़े (30) चंद्रपुर महाराष्ट्र से माँ बगलामुखी के दर्शन करने के लिए नलखेड़ा, जिला आगर मालवा जा रहे थे। जैसे ही कार सवार बैतूल जिला



मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूर शाहपुर थाने के अंतर्गत आने वाले फोरलेन के बरेठा घाट में पहुंचे, भोपाल की ओर से आ रहे कंटेनर से कार की रात्रि 12 बजे भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में अधिवक्ता राजू हेपट और राहुल कनाके की मौत हो गई। जबकि सूरज ढोके और निखिल पावड़े घायल हो गए थे। दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों चंद्रपुर के लिए निकल गए। पुलिस ने शव सुरक्षित मर्चुरी में रख दिया। परिजनों के आने के बाद पीएम कराया जाएगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने कंटेनर को जब्त भी कर लिया है।

कटनी

ज्वेलरी शो रूम में चोरी के पीछे बाहरी गेंग का हाथ

बदमाशों ने रैकी के बाद दिया वारदात को अंजाम, दूसरे राज्यों की खाक छान रही पुलिस की कई टीमें







खंगाले जा रहे सीसीटीव्ही फुटेज, साक्ष्यों की पड़ताल

कटनी, यशभारत। बरगवां स्थित किसना ज्वेलर्स में बुधवार-गुरूवार की दरम्यानी रात हुई चोरी की वारदात प्रदेश की बड़ी घटनाओं में शामिल हो गई है। यही कारण है कि वारदात को लेकर संभाग से लेकर राजधानी स्तर तक हड़कम्प मचा हुआ है। पुलिस के लिए पहल चुनौती चोरों का पता लगाना है। अभी तक केवल यह पता चल पाया है कि इस वारदात में किसी बाहरी गेंग का हाथ है, जिसने कटनी आकर इस वारदात को अंजाम दिया। कटनी आकर उन्होंने बकायदा रैकी की और इसके बाद गैस सिलेंडर, कटर खरीदकर अन्य सामान जुटाकर वारदात को अंजाम दिया। सूत्रों के मुताबिक अज्ञात बदमाशों ने डेढ़ से दो घंटे के भीतर इस घटना को अंजाम दिया। वारदात के बाद से पुलिस की अलग-अलग टीमें चोरों का सुराग लगाने में जुटी हुई है। सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर चोरों की पतासाजी की जा रही है। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर भी पड़ताल की जा रही है। फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट की रिपोर्ट और मौके पर डॉग स्कवाड से मिले क्लू के आधार पर पुलिस इस चोरी की गुत्थी सुलझाने में जुटी हुई है। पूरे ऑपरेशन की कमान पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा खुद संभाल रहे है। टीम में माधवनगर के साथ ही कोतवाली, कुठला, रंगनाथ नगर और एनकेजे थाना प्रभारियों के साथ ही अन्य पुलिस कर्मियों को भी शामिल किया गया है। टीमों को जबलपुर और यूपी तरफ रवाना किया गया है। इस मामले में शोरूम संचालक रजनीकांत बजाज की रिपोर्ट पर प्रकरण पंजीबद्ध किया है लेकिन अभी तक चोरी गई ज्वेलरी की कीमत की जानकारी सामने नहीं आई है।

बड़े प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल

किसना डायमंड एंड ज्वेलरी शोरूम में हुई करोड़ों रुपये की चोरी ने न केवल पुलिस महकमे को चुनौती दी है, बल्कि बड़े प्रतिष्ठानों की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसी रोड पर अन्य ज्वेलरी शोरूम भी है। इससे पहले मणप्पुरम गोल्ड से करीब 16 किलो सोने की डकैती ने पूरे प्रदेश में सनसनी फैला दी थी। वर्ष 2022 में माधवनगर क्षेत्र स्थित संगीता ज्वेलर्स से करीब 3 करोड़ रुपये के चोरी की वारदात भी सामने आई थी। पिछले वर्ष इसी क्षेत्र में बैंक का एटीएम उखाड़कर ले जाने की घटना ने भी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे। इन घटनाओं के बीच किसना ज्वेलर्स में हुई करोड़ों की चोरी ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि बड़े प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में छोटी-सी चूक भी कितनी भारी पड़ सकती है।

करोड़ों के गहने शो-केस में, लॉकर तक नहीं

चोर शोरूम से करीब 10 से 15 करोड़ रुपये के सोने और डायमंड के आभूषण समेटकर ले गए। वारदात की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे शोरूम की सुरक्षा में बरती गई कई गंभीर लापरवाहियां सामने आ रही हैं। इस पूरे मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू शोरूम के भीतर की सुरक्षा व्यवस्था है। जिस प्रतिष्ठान में करोड़ों रुपये के सोने और डायमंड के आभूषण रखे जाते थे, वहां रात में कीमती जेवरात सुरक्षित रखने के लिए स्ट्रॉन्ग रूम या लॉकर की व्यवस्था नहीं थी। बताया जा रहा है कि कर्मचारी और संचालक रात में भी करोड़ों के गहनों को सामान्य कांच के शो-केस में ही छोड़कर चले जाते थे। ऐसे में दीवार तोड़कर अंदर पहुंचे चोरों को जेवरात समेटने में ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ी। इस खुलासे ने ज्वेलरी प्रतिष्ठानों में सुरक्षा के निर्धारित मानकों के पालन को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। शोरूम संचालक मोहन बजाज के अनुसार दीपावली के कारण सामान्य दिनों की तुलना में अधिक स्टॉक रखा गया था। चोरी गए आभूषणों की शुरुआती कीमत करीब 10 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। संचालक ने बताया कि जेवरों का बीमा था और शोरूम में तिजोरी या लॉकर नहीं रखा गया था। बताया जा रहा है कि अलार्म बजने के बावजूद सुरक्षा गार्ड ने सूचना नहीं दी।

कमजोर दीवार बनी चोरों के लिए रास्ता

जांच में सामने आया है कि शोरूम के पिछले हिस्से में महज नौ इंच की सामान्य ईंट की दीवार थी। इसके ठीक पीछे लाल पहाड़ी का खुला क्षेत्र, घना जंगल और बड़ी-बड़ी झाड़ियां हैं। दिन के उजाले में भी इस क्षेत्र में आसानी से छिपा जा सकता है। रात के समय यहां रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था भी नहीं थी। चोरों ने इसी सूनसान और अंधेरे इलाके का फायदा उठाया और दीवार में बड़ा छेद कर शोरूम के भीतर प्रवेश कर लिया। सामने की ओर सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे लेकिन पीछे का हिस्सा लगभग असुरक्षित छोड़ दिया गया था।

दो दिन पहले ही खरीदे थे गैस सिलेंडर

चोर पूरी तैयारी के साथ वारदात को अंजाम देने पीछे पहुंचे थे। शोरूम के खदान और कब्रिस्तान है। ऐसे में इधर से लोगों की आवाजाही बेहद कम होती है। इसी का फायदा उठाकर चोर पीछे पहुंचे। रात करीब दो बजे शोरूम के पीछे की दीवार काटी। नीचे पत्ते बिछाए, ताकि दीवार टूटने के बाद ईंटें गिरने पर आवाज न हो। चोर गैस कटर और सिलेंडर भी साथ लाए थे। जांच में पता चला है कि बदमाशों ने दो दिन पहले बस स्टैंड स्थित एक दुकान से सिलेंडर खरीदे थे। खरीदारी के दौरान फर्जी आईडी दी थी। टूलकिट सहित अन्य सामान भी एक-दो दिन पहले ही खरीदे। पुलिस को घटनास्थल के पीछे से गैस कटर में इस्तेमाल होने वाला सिलेंडर, नए पेंचकस, पाना और अन्य औजार मिले हैं। इन्हें जब्त कर जांच में शामिल किया गया है। औजारों की बरामदगी से साफ है कि आरोपी पूरी तैयारी के साथ वारदात को अंजाम देने पहुंचे थे। पुलिस ने गैस सिलेंडर की पहचान और उसके स्रोत का पता लगाने के लिए संबंधित सप्लायर को भी घटनास्थल पर बुलाकर पूछताछ की है।

वारदात के बाद वक्त बजा था अलार्म

शोरूम की सुरक्षा में बड़ी चूक भी सामने आई है। बदमाश जब शोरूम में घुसे, तब अलार्म बजा लेकिन सुरक्षा गार्ड भागवत तिवारी ने इसे चूहों की वजह से बजना समझा। गार्ड का तर्क है कि पहले भी चूहों के कारण कई बार अलार्म बज चुका है, इसलिए इस बार भी अनदेखी की हालांकि पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है। अलार्म बजने के बावजूद समय रहते कार्रवाई नहीं होने से चोरों को वारदात अंजाम देने का मौका मिल गया। इस घटना ने सुरक्षा एजेंसी द्वारा तैनात गार्ड के प्रशिक्षण और उसकी जिम्मेदारी निभाने के तरीके पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।



लाल पहाड़ी में चप्पे-चप्पे की खाक छानी एसपी ने

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा और एएसपी कमल मौर्य सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल पर करीब चार घंटे तक रहकर बारीकी से जांच की। एसपी ने किसना ज्वेलर्स के पीछे लाल पहाड़ी में डॉग स्कवाड, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट और पुलिस टीम के साथ कई घंटे तक मुआयना किया।

सीसीटीवी में दिखा आरोपी, आधा दर्जन संदेही चिन्हित

पुलिस जांच में शोरूम के एक सीसीटीवी कैमरे में एक संदिग्ध आरोपी कैद हुआ है। इसके अलावा शहर के विभिन्न मार्गों और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस इन फुटेज के आधार पर आरोपियों की आवाजाही और वारदात से जुड़े घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। एसपी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देश पर गठित चार विशेष टीमें चिन्हित आधा दर्जन संदेहियों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।



पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आधा दर्जन संदेहियों को चिन्हित किया है। उनकी तलाश में अलग-अलग स्थानों पर टीमें रवाना की गई हैं।

सूनसान इलाके का उठाया फायदा

शोरूम के पीछे का इलाका सूनसान है। यहां खदान और कब्रिस्तान होने के कारण रात के समय लोगों की आवाजाही नहीं के बराबर रहती है। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने पीछे की तरफसे शोरूम में प्रवेश किया और वारदात को अंजाम दिया। सूनसान क्षेत्र होने के कारण बदमाशों को चोरी के दौरान किसी की नजर में आने का डर भी कम रहा।

संभागायुक्त निकले जिले के दौरे पर, लिया विकास कार्यों का जायजा, विकास कार्यों में गुणवत्ता में कोई लापरवाही नहीं

संभागायुक्त के दौरे से विभागों में हड़कंप, तवा ब्रिज निर्माण कार्य समय अवधि में पूरा करें

नर्मदापुरम(यश भारत)

गत दिवस नर्मदापुरम संभागायुक्त श्रीकांत बनोठ जिले में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण करने निकले इस दौरान उन्होंने आवासीय स्कूल और निर्माण धीन तवा ब्रिज का निरीक्षण किया, हालांकि कमिश्नर के दौरे की भनक सम्बन्धित विभागों को पहले से ही लग गई थी जिससे विभागों के अधिकारी सतर्क थे, अगर यह दौरा गोपनीय होता तो कुछ और कमिश्नर साहब को देखने को मिलता, आज जिले में लगातार आला अधिकारियों के दौरे की आवश्यकता हैं, जिस तरह से जिले में निर्माण एजेंसिया ठेकेदारों के भरोसे काम कर रही उसके परिणाम भी शीघ्र देखने को मिल जाएंगे, कमीशन खोरी, दलाली और भ्रष्टाचार की आशंका भी जताई जा रही हैं, लो नि विभाग की एक निर्माण एजेंसी जिसके पास करोड़ों रुपयों के कार्य हैं, कर्मचारियों के भरोसे संचालित हो रही हैं, सूत्र



बताते हैं साहब दफ्तर से बाहर नहीं निकलते, पूरा काम ठेकेदारो के भरोसे चल रहे हैं, इनका दफ्तर ही संदेह के दायरे में आता हैं, समय समय पर आला अधिकारी द्वारा इस विभाग का निरीक्षण जरूरी हैं, हालांकि जिले के प्रभारी मंत्री और प्रदेश के लो नि विभाग के मंत्री जी का विभाग हैं , बाबू से लेकर ऊपर तक सभी जमें जकड़े हैं7इस विभाग में भ्रष्टाचार की चर्चा पूरे देश में रही हैं जब्र लोकायुक्त के छापे पड़े थे7 कितना भरोसा किया जा सकता हैं, उसमें संचय हैं7नहर विभाग की कार्यप्रणाली से तो सभी वाकिफ हैं, यह विभाग साफ सफाई में ही लाखों रूपये प्रतिवर्ष फूंक डालता हैं, परिणाम शून्य?

शाला कर निरीक्षण

नर्मदापुरम संभाग आयुक्त श्रीकांत बनोठ ने तवा नगर स्थित आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया इस दौरान बच्चों की आवासीय व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।उपस्थित



शिक्षकों ने बताया कि यहां पर 242 बच्चे आवासीय उपस्थिति में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं इसके साथ एक अन्य स्थान पर अनुसूचित जाति वर्ग 50 बच्चे आवासीय व्यवस्था में शिक्षा लें रहे है। वर्तमान में इस आवासीय विद्यालय की क्षमता 245 बच्चों की है यह सभी बच्चे आदिवासी वर्ग से आते हैं। संभाग आयुक्त श्री बनोट ने आदर्श विद्यालय के संबंध में अन्य जानकारी भी प्राप्त की और बच्चों को आने वाले समय में ठंड से बचने के लिए सभी व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए हैं इसी के साथ खाने की गुणवत्ता का विशेष ध्यान देने और शिक्षा का स्तर बेहतर रखने के लिए लगातार विशेष क्लासेस चलाने के निर्देश भी दिए गए।

निर्माणाधीन तवा ब्रिज का किया निरीक्षण

संभाग आयुक्त श्रीकांत बनोठ ने निर्माणाधीन तवा-ब्रिज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तवा ब्रिज में प्रयोग किया जा रहे सीमेंट कंकरीट मैटेरियल का भी अवलोकन कर उसकी टेस्टिंग रिपोर्ट भी देखी। इसके साथ ही निर्माणाधीन साइट पर उपलब्ध लैब टेस्ट करने के उपकरणों के साथ उसकी प्रक्रिया को भी समझा। श्री बनोठ ने कहा कि ब्रिज निर्माण की समय-सीमा निर्धारित है इसे निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कर लिया जाए। इसके लिए सभी मापदंड पूर्ण किए जाए। ब्रिज का निरीक्षण किया और स्लैब निर्माण करने की प्रक्रिया को भी देखा। इस अवसर पर विभाग के अधिकारी ने बताया कि ब्रिज का 75% काम पूरा किया जा चुका है एवं मार्च 2027 तक की समय सीमा में पुल का निर्माण पूर्ण कर लिया जाएगा। समय-समय पर इनका क्वालिटी चेक रिपोर्ट भी संधारित की जा रही है। इस अवसर पर जल संसाधन विभाग के अधिकारी और अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

तवा डैम और नहरों का निरीक्षण

संभाग आयुक्त श्रीकांत बनोठ ने तवा डैम से निकलने वाली नहरों का औचक निरीक्षण किया। नहरों के निरीक्षण के बाद तवा डैम की जल प्रणाली का निरीक्षण किया। इसके साथ ही एच.ई.जी. कंपनी के पावर प्लांट का भी अवलोकन किया। कमिश्नर साहब नहरों की साफ सफाई का जायजा लेना चूक गए, विभाग ने क्या लीपा पोती कि है ? अब साफसफाई के बिलों की निगरानी जरूरी हैं, कितना खर्च किए हैं, और हैं उसका क्या परिणाम हैं? जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि डैम के पानी का प्रबंधन बेहतर तरीके से किया जाए, जिससे किसानों को पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हो सके इस बार अल्प बर्षा की स्थिति को देखते हुए, जल प्रबंधन बेहतर तरीके से होना चाहिए। किसानों को रवि सीजन में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो जाए, मूंग की फसल के लिए भी पानी उपलब्ध हो इसके लिए अभी से व्यवस्थाएं चाक- चौबंद करें, साथ-साथ दूरस्थ क्षेत्र के किसानों को भी अवगत कराए की उनको कितना पानी उपलब्ध हो पाएगा। आगामी समय में यदि कोई वर्षा होती है और जल की उपलब्धता बढ़ती है तब ही सिंचाई के लिए पानी पर्याप्त रूप में उपलब्ध हो पाएगा। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 2018 में अल्प वर्षा के कारण इस प्रकार की स्थिति निर्मित हुई थी, इस वर्ष भी अल्प वर्षा की स्थिति को देखते हुए डैम में पानी अपने हाई लेवल तक नहीं पहुंच पाया है। जिससे इस बार मूंग की फसल के लिए किसानों को पानी उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रयास किया जाएंगे। संभाग आयुक्त श्री बनोठ ने डैम के गेट खोलने की प्रणाली, स्काडा सिस्टम, और इसके साथ ही सिंचाई के लिए प्रेशराइज़ सिंचाई परियोजना का इटारसी क्षेत्र में निरीक्षण किया और परियोजना को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए, नहरों और पाइपों से खेतों में पानी उपलब्ध कराने के लिए जल प्रबंधन व्यवस्था का भी अवलोकन किया।

तवानगर में दो सूत्रीय मांगों को लेकर 15 नवंबर से अनिश्चित कालीन शांतिपूर्ण धरने की चेतावनी

ग्रामीणों ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन



नर्मदापुरम/इटारसी / तवानगर, यशभारत। क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं और स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली से नाराज तवानगर क्षेत्र के ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मांगों पर ध्यान न दिए जाने से क्षुब्ध होकर ग्रामीणों ने आगामी 15 नवंबर 2026 से थाने के पास अनिश्चितकालीन शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। इस संबंध में थाना प्रभारी तवानगर (रानीपुर) को ज्ञापन सौंपा गया है।

ये है प्रमुख मांगें....-बेस हॉस्पिटल तवानगर में डॉक्टर की पदस्थापनाः ग्रामीणों का कहना है कि बेस हॉस्पिटल तवानगर में शासन द्वारा भेजे गए डॉक्टर को यहीं यथावत पदस्थ किया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को सुचारू रूप से इलाज मिल सके। तवानगर थाना क्षेत्र में 'डायल 112' सेवा को पुनः संचालित किया जाए। पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण और मुख्य रोड से लगभग 37 किमी अंदर स्थित तवानगर बांध व क्षेत्र की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया है कि यदि शासन द्वारा उनकी दोनों मांगों पर समय रहते विचार नहीं किया गया, तो 15 नवंबर 2026 से तवानगर थाने से 150 मीटर की दूरी पर अनिश्चितकालीन शांतिपूर्ण धरना शुरू कर दिया जाएगा। इस दौरान किसी भी प्रकार की घटना या नुकसान की संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। ?ज्ञापन सौंपने वालों में सोनू उइके जनपद सदस्य, रवि शंकर पासी उप- सरपंच, विनोद केवर, रीता सिंह ठाकुर, दीपक यादव, निखिल तिवारी, विजय विश्वकर्मा, अरुण यादव,सुरेश देशमुख और देवीलाल कुम्हार सहित कई ग्रामीण शामिल रहे। इस पत्र की प्रतिलिपि अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) इटारसी को भी प्रेषित की गई है।

शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला में मीनू के अनुसार नहीं मिल रहा था बच्चों को भोजन

मध्यान्ह भोजन में धांधली करने वाले स्वसहायता समूह' को थमाया कारण बताओ नोटिस

सोहागपुर (यश भारत)

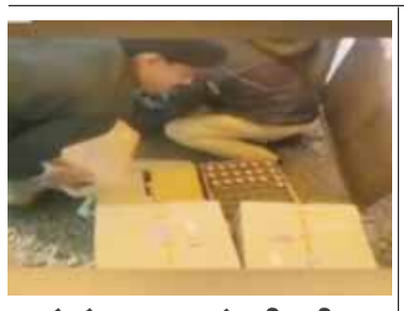
यश भारत में खबर प्रकाशित होने के बाद शासन ने संज्ञान लिया और एक पत्र जारी करते हुए कहा ,आधिकारिक पत्र (1000055474.jpg) के अनुसार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (CEO), जनपद पंचायत सोहागपुर ने दिनांक 13.11.2026 को शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला करनपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया था। इस निरीक्षण के दौरान यह स्पष्ट रूप से पाया गया कि विद्यालय में मध्यान्ह भोजन के संचालन में भारी अनियमितताएं बरती जा रही हैं। बच्चों को प्रतिदिन निर्धारित मीनू के अनुसार भोजन नहीं परोसा जा रहा था, और निरीक्षण वाले दिन भी मीनू के निर्देशों की धज्जियां उड़ाई गई थीं।





अनुबंध रद्द करने की सख्त चेतावनी

इस गंभीर लापरवाही को संज्ञान में लेते हुए, कार्यालय जनपद शिक्षा केन्द्र सोहागपुर के विकासखंड स्त्रोत समन्वयक (BRC) राकेश रघुवंशी ने 13 नवंबर 2026 को 'मनु स्वसहायता समूह, सोहागपुर' के अध्यक्ष और सचिव के नाम कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया है। नोटिस में स्पष्ट शब्दों में कहा गया है कि समूह अपनी इस लापरवाही के संबंध में दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करे। प्रशासन ने सख्त हिदायत दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर जवाब प्रस्तुत नहीं किया जाता है या दिया गया जवाब असंतोषजनक पाया जाता है, तो स्वसहायता समूह का अनुबंध तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया जाएगा। इस पूरी कार्रवाई और उसके परिणामों के लिए समूह स्वयं उत्तरदायी होगा। यश भारत समय समय पर जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता से प्रकाशित करते आया हैं, किसी व्यक्तिगत द्वेष से नहीं परन्तु व्यवस्था पर सवाल उठाया हैं और ऐसे मुद्दों पर यश भारत सवाल उठता रहेगा द्य



थाने से चंद कदमों की दूरी पर अंडे के ठेले में छिपाकर रखी 19 पेटी अवैध शराब बरामद

नर्मदापुरम, यशभारत। जिले में प्रशासन के द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध ऑपरेशन प्रहार की शुरुआत की गई है।शुक्रवार को कलेक्टर, एसपी के दिशा निर्देशन में प्रशासन की संयुक्त टीम ने जिले भर में अवैध ओर अमानक शराब के विरुद्ध कार्रवाई की। जिससे शराब माफिया में हड़कंप मच गया।लेकिन प्रशासन के इस अभियान में सबसे चौंकाने वाली बात तो यह सामने आई जब नर्मदापुरम मुख्यालय में देहात थाने से चंद कदमों की दूरी पर हरियाली तिराहे लगने वाले एक अंडे के ठेले से जब प्रशासन की इस संयुक्त टीम ने 19 पेटी अवैध शराब बरामद की । पुलिस ने कुल 160 लीटर शराब जब्त की। जिस दुकान में ये शराब की पेटियां छिपाकर रखीं थीं वह किसी नीलेश नाम के व्यक्ति की बताई जा रही है। इस दौरान देहात थाना पुलिस ने कार्रवाई कर शराब जब्त की। साथ ही संबंधित पर 34/2 का प्रकरण दर्ज किया। जिस दुकान से पुलिस ने शराब जब्त की वहां से कई बार शराब की अवैध बिक्री होने की शिकायतें भी सामने आई थीं।

भाजपा सांसद के किसानों पर किए गए आपत्तिजनक बयान को लेकर कांग्रेस ने घेरा सांसद कार्यालय

कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग पर चढ़कर जमकर की नारेबाजी ,केस दर्ज करने की मांग

नर्मदापुरम, यशभारत।

विगत दिनों भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा के द्वारा किसानों पर किए गए आपत्ति जनक बयानबाजी को लेकर कांग्रेस ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया।इस दौरान कांग्रेस कार्य कर्ताओं ने सांसद दर्शन सिंह चौधरी का बंगला घेरा। भारी मशक्कत के बाद पुलिस ने काबू पाया । कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए और जमकर नारेबाजी करने लगे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना था कि जनार्दन मिश्रा के आपत्तिजनक बयान को लेकर उन पर केस दर्ज होना चाहिए।किसान दिन रात मेहनत करता है और उसका अपमान नहीं होना चाहिए। दोपहर को हुए इस विरोध प्रदर्शन में जमकर नारेबाजी की गई। इस दौरान भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात किया गया था। गौरतलब है कि जनार्दन मिश्रा ने कहा था कि किसान ती महीने मेहनत करता है और बाकी नौ महीने राजश्री, बोतल, चोंगी और अन्य कार्य में बिताता हैं। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गिरिजा शंकर शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेसियों ने किसान का अपमान बताते हुए घोर निंदा की गई और कहा कि यह किसानों का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।भाजपा सांसद पर केस दर्ज होना



चाहिए। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस ने कार्यकर्ताओं को पीछे हटाया और इसमें कांग्रेसने ज्ञापन सौंप कर भाजपा सांसद पर केस दर्ज करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने किसानों के साथ हो रहे अन्याय, उनकी समस्याओं और किसानों के सम्मान से जुड़े मुद्दों को लेकर अपना आक्रोश व्यक्त किया तथा भाजपा सरकार और सांसद के समक्ष किसानों की आवाज बुलंद की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व विधायक गिरजा शंकर शर्मा, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष कपिल फौजदार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राधेश्याम पटेल, नेता प्रतिपक्ष अनोखी लाल राजोरिया, पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी, किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष बाबू चौधरी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा, फैजान उलहक, मिर्जा वेग, गुलाम मुस्तफा, इटारसी नगर कांग्रेस अध्यक्ष कन्हैया गोस्वामी, जिला इंटक अध्यक्ष शेख रमजान, जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार, अखिलेश पटेल गुलाम हैदर आफरीद खान सचिन जैन, नवल पटेल,जिला कांग्रेस कोषाध्यक्ष अतुल तिवारी, बसंत आसरे, वरिष्ठ कांग्रेस नेता संतोष तोमर, पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष अजीत बिष्ट कपिल यादव मोहन वेद्य संतोष बामने, पुष्प लता जायसवाल शैलेन्द्र गुरुजी माखन नगर कांग्रेस अध्यक्ष रत्नेश बडगूजर, संतोष अहिरवार आजाद भाटिया, राजेंद्र गोस्वामी, बल्ला गादव राजकुमार यादव आदि कांग्रेस जन उपस्थित थे।



महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन

नर्मदापुरम/सिवनीमालवा, यशभारत। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार शासकीय कुसुम स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनीमालवा में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए.के. यादव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिताओं का उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, निर्वाचन प्रक्रिया तथा मतदान के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए.के. यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जागरूक एवं जिम्मेदार मत दाताओं पर निर्भर करती है। प्रत्येक नागरिक का मतदान करना न केवल उसका अधिकार है, बल्कि राष्ट्र के प्रति उसका महत्वपूर्ण दायित्व भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे स्वयं मतदान के महत्व को समझें तथा समाज में अन्य लोगों को भी मतदान के प्रति जागरूक करें।कार्यक्रम के नोडल अधिकारी कमल सिंह अहिरवार ने विद्यार्थियों को मतदाता जागरूकता के महत्व, निर्वाचन प्रक्रिया एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता की भूमिका के संबंध में जानकारी प्रदान की।

70 वीं राज्य स्तरीय शालेय आर्चरी प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

वीर सावरकर स्टेडियम इटारसी में 9 संभागों सहित जनजातीय कार्य विभाग के 480 खिलाड़ी एवं 100 ऑफिशियल हुए शामिल



नर्मदापुरम, यशभारत। 70 वीं राज्य स्तरीय शालेय आर्चरी प्रतियोगिता का शुभारंभ वीर सावरकर स्टेडियम, पुरानी इटारसी में हुआ । विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं राज्यसभा सांसद माया नारोलिया की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ।विशिष्ट अतिथि राहुल सोलंकी ,अरुण शर्मा , जय किशोर चौधरी, मयंक महतो, भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री मुकेश चंद्र मैना, सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में प्रदेश के 9 संभागों ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, रीवा, सागर, जबलपुर, उज्जैन सहित जनजातीय कार्य विभाग एवं नर्मदापुरम संभाग के लगभग 480 खिलाड़ी तथा 100 ऑफिशियल सम्मिलित हुए। इस मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी एल.एन. प्रजापति द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। विधायक सीता शरण शर्मा ने बच्चों से खुली प्रतिस्पर्धा में खेल भावना के साथ आर्चरी प्रतियोगिता में उत्साह पूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित किया द्य विधायक श्री शर्मा के द्वारा उद्बोधन में सभी बच्चों से सभी विधाओं में पढ़ाई के साथ-साथ अन्य सभी गतिविधियों में आगे आकर अपने भविष्य को उज्जवल करने के लिए प्रेरित किया । कार्यक्रम में स्वागत गीत , सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।



जनजातीय गौरव दिवस पर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाएगी भाजपा - डॉ शर्मा

नर्मदापुरम, यशभारत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने वर्ष 2021 से भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने की ऐतिहासिक शुरुआत की। यह जनजातीय समाज के नायकों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान और पहचान दिलाने की महत्वपूर्ण पहल है। इस कार्यक्रम को लेकर जिला मुख्यालय पर विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि जनजातीय गौरव सप्ताह का कार्यक्रम 11 से 18 नवम्बर तक मनाया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम 15 नवम्बर को आयोजित होगा। कार्यक्रम के तहत जिले में सांस्कृतिक जुलूस निकाला जाएगा। यह पूरा आयोजन जनजातीय अस्मिता, लोक-कला, संस्कृति और समग्र विकास पर केन्द्रित रहेगा। डॉ. शर्मा ने कहा कि आयोजन को गरिमा और संदेश को जन जन तक पहुँचाने के लिए प्रमुख समाचार पत्रों, डिजिटल माध्यमों और सोशल मीडिया पर व्यापक अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में देश, समाज और जनजातीय अधिकारों की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने अंग्रेजों के शोषण और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष करते हुए जनजातीय समाज में स्वाभिमान, स्वतंत्रता और अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता की अलख जगाई।

खनिज माफिया ने पूरे जिले में फैला रखा हैं अपना जाल

लगातार कार्यवाही के बाद भी थम नही रहा अवैध कारोबार

नर्मदापुरम(यश भारत)

जिला प्रशासन के अधिकारी, कर्मचारी लगातार कई दिनों से खनिज माफिया के विरुद्ध कार्यवाही करते चले आ रहा मगर देखा जा रहा हैं , अवैध कारोबार पर रोक लगने के बावजूद, और बढ़ता जा रहा हैं, आखिर क्यों जिला प्रशासन की लगातार कार्यवाही के बाद भी ठीक से नियंत्रण नहीं लग प रहा हैं, पूरे जिले में सख्ती के बावजूद माफिया पर नियंत्रण नहीं लगा पा रहे हैं, जितना इन पर रोक लगाने का प्रयास किया जा रहा है, उतना ही बढ़ते जा रहा हैं द्य शासन की यह कैसी कार्यवाही है जिससे





अपराधी डरने के बजाय और बढ़ते जा रहे हैं सूत्रों के हवाले से खबर है कि खनिज का व्यापार पूरी तरह से सेटिंग का खेल हैं, रायल्टी से लेकर उत्खनन तक मिला जुला खेल होता हैं,कभी रॉयल्टी की चोरी, कभी ट्रक में मात्रा की चोरी, ट्रैक्टर ट्रॉली से चोरी, कभी अवैध खदानों से उत्खनन से चोरी, सुनने में तो इतना आता हैं कि इसमें सफेद पोश, रसूखदार लोगों का भी हाथ होता हैं, इतने दवाब में शासन कार्य कर रहा हैं यह बड़ी बात हैं।

फिर हुई कार्यवाही - जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई निरंतर जारी है। कलेक्टर आशीष वशिष्ठ के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा रेत सहित अन्य गौण खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सुखतवा तहसील इटारसी में गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए डंपर क्रमांक ख्ब39॥7521 को जब्त किया गया। साथ ही गिट्टी का अवैध भंडारण करते हुए एक जेसीबी मशीन भी जब्त की गई। दोनों वाहनों को पुलिस थाना केसला की अभिरक्षा में रखा गया है।

इसी प्रकार ग्राम निमसाड़िया तहसील नर्मदापुरम में रेत का ओवरलोड परिवहन करते हुए चार डंपर जब्त किए गए। इनमें डंपर क्रमांक MP04YD4732, MP38ZG9799, MP04ZQ7024 एवं MP38ZF9799 शामिल हैं। जब्त किए गए चारों डंपरों को सुरक्षार्थ आरटीओ परिसर में खड़ा कराया गया है। उक्त कार्रवाई खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम सहित अन्य विभागीय अधिकारियों एवं होमगार्ड बल की उपस्थिति में की गई।

श्रेयस अय्यर सबसे कम एकदिवसीय खेलकर कप्तानी हासिल करने वाले खिलाड़ियों में शामिल



माउंट माउंगानुई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तानी संभालते ही एक रिकार्ड अपने नाम किया है। वह एकदिवसीय प्रारुप में कमान संभालने वाले 29 वें कप्तान बने है। यह पहली बार है जब उन्होंने 50 ओवर के प्रारूप में टीम की बागडोर संभाली है। इस अहम भूमिका को निभाने से पहले, श्रेयस ने भारतीय टीम की ओर से 85 एकदिवसीय मैच खेले थे। इस प्रकार वह सबसे कम मैच खेलकर कप्तानी हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गये हैं।

श्रेयस का 85 मैचों के बाद ही एकदिवसीय में कप्तानी संभालना भारतीय क्रिकेट इतिहास में एक रोचक आंकड़ा पेश करता है। भारतीय टीम के कई दिग्गज खिलाड़ियों ने पहली बार एकदिवसीय कप्तानी संभालने से पहले 100 या उससे भी अधिक मैच खेले थे। इस सूची में सबसे ऊपर भारतीय क्रिकेट के महान स्पिनर अनिल कुंबले हैं, जिन्होंने 217 एकदिवसीय मैच खेलने के बाद पहली बार भारत की कमान संभाली थी। इस सूची में वीरेंद्र सहवाग ने सबसे कम 70 एकदिवसीय खेलकर कप्तानी की थी, जबकि हार्दिक पंड्या ने 71 एकदिवसीय खेलने के बाद यह जिम्मेदारी संभाली थी। वहीं महेन्द्र सिंह धोनी ने 81 और सुरेश रैना ने 90 मैच खेलकर कप्तानी संभाली थी। इस तरह, 85 वनडे खेलने के बाद कप्तान बने श्रेयस अय्यर, धोनी (81) और रैना (90) के बीच में आते हैं। दिलीप वेंगसरकर और मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 98-98 एकदिवसीय खेलने के बाद कप्तानी हासिल की थी। रोहित शर्मा ने 171 एकदिवसीय , शिखर धवन ने 142 एकदिवसीय और राहुल द्रविड़ ने 138 एकदिवसीय खेलने के बाद इस प्रारुप में कप्तानी हासिल की थी। अजय जड़ेजा ने भी 129 एकदिवसीय खेलकर कप्तानी की भूमिका संभाली थी।वहीं, महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 119 एकदिवसीय, सौरव गांगुली और के. श्रीकांत ने 111-111 एकदिवसीय, जबकि विराट कोहली ने 104 और गौतम गंभीर ने 100 एकदिवसीय खेलने के बाद ही पहली बार टीम की बागडोर संभाली थी।

डेब्यू मैच में 28 गेंदों में 5 विकेट; 21 साल के महली बियर्डमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ मचाई तबाही

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया वर्सेस इंग्लैंड पहला वनडे पर्थ में खेला जा रहा है। इस मैच में 21 साल के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन महफिल लूट ले गए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ मात्र 28 गेंदों में अपना 5 विकेट हॉल लिया। वह डेब्यू मैच में 5 विकेट हॉल लेने दुनिया के 18वें और ऑस्ट्रेलिया के मात्र दूसरे ही गेंदबाज बने हैं। महली बियर्डमैन से पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए 1988 में टोनी डोडेमेड ने श्रीलंका के खिलाफ पहली बार यह कारनामा किया था। वहीं दुनिया में ऐसा श्रीलंका के उवैस करनैन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 1984 में किया था। ऐसा नहीं है कि महली ने पुछल्ले बल्लेबाजों के विकेट चटकाए हो, उनके इस 5 विकेट हॉल में जो रूट से लेकर हैरी ब्रूक जैसे धकाड़ बल्लेबाज मौजूद हैं। उन्होंने इन दोनों के अलावा सैम करन, लियाम डेवसन और जॉर्डन क्रॉक का विकेट चटकाया।

महली बियर्डमैन ने अपने वनडे करियर की शुरुआत मेडन ओवर से की थी। दूसरे ओवर में उन्होंने हैरी ब्रूक का तो तीसरे ओवर में जो रूट का विकेट चटकाया। इसके बाद उन्हें चौथे ओवर में जॉर्डन क्रॉक और सैम कुर्रन के रूप में 2 विकेट मिले। उन्होंने अपना 5 विकेट हॉल पांचवें ओवर में ही लियाम डेवसन का विकेट लेकर पूरा किया।

- पहले ओवर में मेडन।
- दूसरे ओवर में 1 विकेट।
- तीसरे ओवर में 1 विकेट।
- चौथे ओवर में 2 विकेट।
- पांचवें ओवर में 1 विकेट।

महली बियर्डमैन ने इंग्लैंड के खिलाफ7.4 ओवर में मात्र 24 रन खर्च कर कुल 6 विकेट चटकाए। उनके इस धाकड़ प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड की पूरी टीम 131 रनों पर ही सिमट गई। महली ने जोफ्रा आर्चर के रूप में अपना 6ठा विकेट लिया।



आईपीएल 2027 मिनी नीलामी के लिए मुस्तफिजुर सहित सात बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने नाम दिये

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 के आगामी मिनी नीलामी में इस बार बांग्लादेश के 7 खिलाड़ी शामिल है। जिसमें एक नाम तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान का भी है। ये वही मुस्तफिजुर रहमान हैं, जो पिछले सत्र में विवादों में रहने के कारण आईपीएल से बाहर कर दिये गये थे। पिछले साल, आईपीएल 2026 से पहले, कोलकाता नाइट राइडर्स ने मुस्तफिजुर को अपनी टीम में शामिल किया था। हालांकि, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों की खबरों के मद्देनजर उपजे विरोध प्रदर्शनों के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के हस्तक्षेप के बाद, फ्रेंचाइजी ने सीजन की शुरुआत से पहले ही मुस्तफिजुर को बाहर कर दिया



था। इस घटना ने दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों में काफी खटास पैदा कर दी थी और एक बड़ा राजनीतिक-सामाजिक विवाद खड़ा हो गया था। इस घटना के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की तरफ से भी कड़ी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। भारत द्वारा 2026 टी20 विश्व कप की मेजबानी का बांग्लादेश ने बहिष्कार किया था।

अब, लगभग दस महीने बाद हालातों में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। आगामी आईपीएल 2027 सीजन के लिए 16 दिसंबर को होने वाले मिनी निलामी के लिए बीसीसीआई ने विभिन्न क्रिकेट बोर्ड्स से खिलाड़ियों की सूची मांगी थी, जिसमें बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड भी शामिल रहा। ऐसे में एक रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के सात खिलाड़ियों ने इस नीलामी के लिए अपना नाम पंजीकृत कराया है। इसमें मुस्तफिजुर रहमान के अलावा, नाहिद राणा, रिशाद हुसैन, हसन महमूद, तौहीद हृदोय, तस्कीन अहमद और शोरफुल इस्लाम शामिल हैं।आईपीएल प्रबंधन की तरफसे नीलामी में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की आधिकारिक सूची अभी जारी नहीं की गई है। इस सूची को जारी होने में अभी कुछ वक्त लगेगा, क्योंकि सभी 10 फ्रेंचाइजी पहले अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जारी करेंगी और रिलीज किए गए खिलाड़ी भी ऑक्शन पूल का हिस्सा बनेंगे।

चीन में पहली बार खेली जाएगी लीजेंड्स टी20 क्रिकेट लीग

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में पहली बार क्रिकेट लीग शुरु होने जा रही है। इससे देश में क्रिकेट को व्यापक पहचान मिलने की उम्मीद है। विश्व चैंपियनशिप ऑफ क्रिकेट (डब्ल्यूसीसी) ने चीन के डोंग्यूहुई स्पोर्ट्स के साथ मिलकर देश की अपनी तरह की पहली फ्रेंचाइजी आधारित लीजेंड्स टी20 लीग शुरू करने की घोषणा की है। आठ टीमों वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का पहला संस्करण मई 2027 में आयोजित किया जाएगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के कई दिग्गज पूर्व क्रिकेटर भाग लेंगे। यह कदम चीन में क्रिकेट के विस्तार और विकास के लिए बेहद अहम माना जा रहा है, जो खेल को एक नए बाजार में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा क्रिकेट के लिए नए बाजारों की तलाश और लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी को देखते हुए भी इस लीग का महत्व बढ़ जाता है। खेल जानकारों का मानना है कि यह लीग चीन में क्रिकेट के विकास को गति देने और खेल को नए दर्शकों



तक पहुंचाने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। इस महत्वाकांक्षी पहल की नींव अक्टूबर 2026 में डब्ल्यूसीसी और डोंग्यूहुई स्पोर्ट्स के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) से रखी गई थी। गौरतलब है कि डोंग्यूहुई स्पोर्ट्स, जियांग्सू प्रांत के ताइचांग स्थित शाक्सी टाउन क्रिकेट सेंटर का संचालन करता है, जो अपनी स्थानीय विशेषज्ञता और उत्कृष्ट खेल सुविधाओं के माध्यम से चीन के बढ़ते खेल बाजार तक विश्वस्तरीय क्रिकेट पहुंचाने में सहायक साबित होगा। वहीं, डब्ल्यूपीसी का संचालन अनुभवी प्रमोटर्स द्वारा किया जा रहा है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय फ्रेंचाइजी आधारित खेल प्रतियोगिताओं के विकास और संचालन का व्यापक अनुभव है।

रंग संसार

सलमान की मातृभूमि के ट्रेलर में दिखा दमदार एक्शन



बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की आगामी फिल्म मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस का ट्रेलर जारी हो गया है। फिल्म में देशभक्ति, सैनिकों के बलिदान और युद्ध के मानवीय पहलुओं को दिखाया गया है। ट्रेलर में सलमान खान एक ऐसे सैनिक की भूमिका में नजर आ रहे हैं, जो देश की रक्षा के लिए हर चुनौती का सामना करने को तैयार है। फिल्म में एक्शन के साथ भावनात्मक दृश्यों को भी प्रमुखता दी गई है। ट्रेलर की शुरुआत दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्रों में शामिल एक बर्फीले इलाके से होती है। यहां हिमस्खलन के खतरनाक दृश्य दिखाई देते हैं। इसी बीच चीनी सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा के भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की तैयारी करते नजर आते हैं। इसके बाद सलमान खान की दमदार एंट्री होती है। वह एक अनुभवी और बहादुर सैनिक के किरदार में दिखाई देते हैं, जिसमें ताकत के साथ समझदारी भी नजर आती है। ट्रेलर में सलमान की निजी जिंदगी की झलक भी दिखाई गई है। अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह फिल्म में उनकी पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। वह अपने पति को सैन्य मिशन पर भेजे जाने को लेकर चिंतित नजर आती हैं। इस दौरान सलमान उन्हें समझाते हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होने वाला आमना-सामना हमेशा गोलीबारी वाली लड़ाई नहीं होता। दोनों देशों के बीच हुए समझौतों का उद्देश्य सैन्य तनाव को बड़े युद्ध में बदलने से रोकना है। फिल्म में सैनिकों की जिंदगी और उनके परिवारों की भावनाओं को भी दिखाया गया है।

देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के लिए ड्यूटी सबसे पहले होती है, लेकिन इसके साथ ही उनके परिवारों को भी कई तरह के भावनात्मक संघर्षों से गुजरना पड़ता है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि सैनिकों के लिए परिवार के साथ बिताया गया हर पल कितना कीमती होता है। सलमान खान अपने एक्शन अवतार में प्रभावशाली नजर आ रहे हैं।

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने बच्चों के लिए अर्थपूर्ण फिल्में बनाने की अपील की

कहा- बालमन की जिज्ञासा को अपनाना जरूरी

मुंबई (यशभारत)। भारतीय सिनेमा की प्रतिभावान अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने बच्चों के मानसिक विकास और मनोरंजन के लिए विशेष रूप से बनाई जाने वाली फिल्मों की आवश्यकता पर बल दिया है। उनका मानना है कि लिटिल थॉमस जैसी फिल्में बच्चों के लिए बेहद महत्वपूर्ण और प्रासंगिक हैं, क्योंकि ऐसी कहानियां बाल दर्शकों को अपने खुद के व्यक्तिगत अनुभवों, मासूम भावनाओं और संवेदनाओं से सीधे तौर पर जोड़ने का अवसर प्रदान करती हैं। इस फिल्म में वे जेसी मिरांडा नामक एक माँ का मुख्य किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस प्रकार का सिनेमा बच्चों का स्वस्थ मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें सवाल पूछने, रचनात्मक कल्पना करने और अपने आसपास की विशाल दुनिया को अपनी समझ के अनुसार परखने की पूरी आजादी देता है। बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण सिनेमा की जरूरत पर विस्तार से बात करते हुए रसिका दुग्गल ने कहा कि सिनेमा किसी भी व्यक्ति की दुनिया को विस्तार देने और उसकी कल्पनाशीलता को नई उड़ान देने का एक बेहद सशक्त माध्यम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इंसान के बड़े होने पर उसके मन में जो तमाम तरह के विचार और दृष्टिकोण विकसित होते हैं, उनका गहरा संबंध



अक्सर बचपन के दिनों में देखी गई फिल्मों और कहानियों से होता है। इसी वजह से फिल्म उद्योग को ऐसी कहानियों का निर्माण अधिक से अधिक करना चाहिए, जिनसे बच्चे खुद को भावनात्मक रूप से जोड़ सकें। उन्होंने कहा कि निर्माताओं को बच्चों की सहज जिज्ञासा को नजरअंदाज करने के बजाय उसे खुले दिल से अपनाना चाहिए। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि बच्चों के लिए बनाई जाने वाली फिल्में बिना हल्की-फुल्की या सतही हुए भी बेहद मनोरंजक हो सकती हैं। उन्होंने देश भर के फिल्म निर्माताओं से अपील की कि वे बाल दृष्टिकोण वाली ऐसी कहानियों की खोज करें और उन पर काम करें, जिन्हें बच्चे न केवल खुशी-खुशी देख सकें बल्कि वे कहानियां उनकी रचनात्मक कल्पना शक्ति के लिए नए-नए दरवाजे भी खोलें। कौशल ओझा के निर्देशन में बनी फिल्म लिटिल थॉमस 1990 के दशक के सुंदर राज्य गोवा की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह सात साल के मासूम बच्चे थॉमस और उसके परिवार के जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव को बड़ी ही खूबसूरती से दर्शाती है, जिसकी शैली दर्शकों को मालगुडी डेज और रस्किन बॉन्ड की अमर कहानियों की याद दिलाती है। फिल्म में गुलशन देवैया, रसिका दुग्गल और बाल कलाकार हृदांश पारेख ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।



रामायण देखकर निराश हुए नीतीश भारद्वाज, फिल्म की तारीफ वापस लेने का किया ऐलान

टीवी धारावाहिक महाभारत में भगवान कृष्ण की भूमिका निभाकर लोकप्रियता हासिल करने वाले अभिनेता नीतीश भारद्वाज फिल्म रामायण देखकर निराश हो गए हैं। उन्होंने फिल्म को लेकर पहले की गई अपनी तारीफवापस लेने की घोषणा की है। अभिनेता का कहना है कि रामायण केवल मनोरंजन की कहानी नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में इसके पात्रों और उनके मूल चरित्र को अपनी सुविधा के अनुसार बदलकर प्रस्तुत करना उचित नहीं है। नीतीश भारद्वाज ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रामायण भारतीय संस्कृति और चेतना में गहराई से बसी हुई है। इसके नायक, नायिका और खलनायक सभी के चरित्र इस महाकाव्य के मूल संदेश और नैतिक मूल्यों से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु ने धर्म की रक्षा, परंपराओं को बनाए रखने और मर्यादा की स्थापना के लिए राम अवतार लिया था। ऐसे में फिल्म में रावण को असाधारण रूप से उदार, सामाजिक रूप से न्यायप्रिय और निष्पक्ष दिखाना उन्हें पसंद नहीं आया। अभिनेता के मुताबिक, इस तरह का चित्रण रामायण के मूल नैतिक आधार को प्रभावित करता है। इससे भगवान राम के अवतार लेने के उद्देश्य और कहानी के मूल संदेश की महत्ता भी कमजोर हो सकती है।

दिवाली पार्टी में साथ दिखे हिना खान और राजन शाही

मुंबई (ईएमएस)। टीवी अभिनेत्री हिना खान और मशहूर निर्माता राजन शाही की एक तस्वीर इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। दिवाली पार्टी के दौरान दोनों एक ही फ्रेम में नजर आए और साथ में कैमरे के लिए पोज भी दिए। लंबे समय बाद दोनों को इस तरह साथ देखकर प्रशंसक हैरान हैं। तस्वीर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर सवाल उठने लगे हैं कि क्या दोनों के बीच सालों से चली आ रही नाराजगी अब खत्म हो गई है? यह तस्वीर राजन शाही की बेटी इशिका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की है। इसमें हिना खान और राजन शाही के साथ कई अन्य लोग भी दिखाई दे रहे हैं। दोनों के एक साथ नजर आने पर कुछ प्रशंसकों ने खुशी जताई, जबकि कई लोग उनके रिश्तों में सुधार को लेकर सवाल पूछ रहे हैं। हालांकि, इस मुलाकात को लेकर अभी तक हिना या राजन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हिना खान और राजन शाही के बीच पुराने मतभेदों की चर्चा काफी



समय से होती रही है। हिना ने राजन शाही के लोकप्रिय धारावाहिक 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अक्षरा का मुख्य किरदार निभाया था। करीब आठ साल तक इस शो का हिस्सा रहने के दौरान उन्होंने घर-घर में पहचान बनाई। बाद में हिना ने अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए शो छोड़ने का फैसला किया था। वर्ष 2024 में एक इंटरव्यू के दौरान हिना ने शो छोड़ने के अनुभव पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि वह शो के निर्माताओं का सम्मान करती हैं, लेकिन उनका शो से अलग होना अच्छे माहौल में नहीं हुआ था। उनके इस बयान के बाद पुराने विवाद ने फिर सुर्खियां बटोरी थीं। दूसरी ओर, राजन शाही ने भी एक इंटरव्यू में हिना के साथ हुए विवाद पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि हिना शो की स्क्रिप्ट में काफी दखल देती थीं, जिससे सेट पर परेशानियां होती थीं। राजन के मुताबिक, एक बार हिना ने शिवांगी जोशी के किरदार नायरा के समर्थन में कुछ संवाद बोलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद मेकर्स ने उनका कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया था और उन्हें सेट छोड़ने के लिए कहा गया था। अब दिवाली पार्टी की तस्वीर ने दोनों के पुराने विवाद को फिर चर्चा में ला दिया है। हालांकि, साथ में तस्वीर खिंचवाने से यह स्पष्ट नहीं होता कि उनके बीच मतभेद पूरी तरह खत्म हो गए हैं।

वन विभाग के एसडीओ संजीव शर्मा के ठिकानों पर लोकायुक्त का छापा

आय से अधिक संपत्ति को लेकर भोपाल-पचमढ़ी में दबिश

भोपाल, यशभारत।



सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (पचमढ़ी) में पदस्थ वन विभाग के एसडीओ संजीव कुमार शर्मा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायतों और पुख्ता तथ्यों के आधार पर लोकायुक्त संगठन की टीम ने शनिवार सुबह उनके ठिकानों पर एक साथ छापेमार कार्रवाई की। टीम ने राजधानी भोपाल स्थित प्रोफेसर कॉलोनी के आवास सहित अन्य ठिकानों पर एक साथ दबिश दी, जिससे महकमे में हड़कंप मच गया है।

लोकायुक्त सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ समय से एसडीओ संजीव शर्मा द्वारा आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति जुटाए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। शुरुआती गोपनीय जांच में तथ्य सही पाए जाने के बाद लोकायुक्त ने यह सख्त कदम उठाया। वर्तमान में अधिकारियों की टीमें प्रोफेसर कॉलोनी स्थित उनके घर और अन्य ठिकानों पर मौजूद दस्तावेजों, बैंक खातों, संपत्तियों के रिकॉर्ड और अन्य वित्तीय लेन-देन की बारीकी से जांच कर रही हैं।

कार्रवाई के दौरान अब तक कितनी चल-अचल संपत्ति का खुलासा हुआ है और क्या दस्तावेज हाथ लगे हैं, इस संबंध में फिलहाल आधिकारिक तौर पर कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। लोकायुक्त अधिकारियों का कहना है कि तलाशी अभियान और दस्तावेजों की छानबीन पूरी होने के बाद ही संपत्ति के वास्तविक आंकड़े और पूरी रिपोर्ट सामने आ सकेगी।



गो सेवकों ने नगर निगम कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन, अधिकारियों की लापरवाही पर जताई नाराजगी

भोपाल में लंपी वायरस का खतरा, दो क्वारंटाइन सेंटर बनाने की मांग

भोपाल,यश भारत।

शहर में गौवंश में लंपी स्किन डिजीज के मामले सामने आने के बाद गो सम्मान आह्वान अभियान ने संक्रमण की रोकथाम के लिए नगर निगम प्रशासन से तत्काल कदम उठाने की मांग की है। शुक्रवार को गो सेवकों ने नगर निगम कमिश्नर राम प्रकाश अहिरवार को ज्ञापन सौंपकर पुराने भोपाल के आसपास दो क्वारंटाइन सेंटर स्थापित करने की मांग की। गो सेवक सरमन बाथम और जय सिंह ठाकुर ने बताया कि संक्रमित गौवंश को स्वस्थ पशुओं से अलग रखने के साथ उनके उपचार की समुचित व्यवस्था जरूरी है। इसके लिए विशेष वाहन पशु चिकित्सकों की तैनाती दवाइयों और नियमित देखरेख की व्यवस्था करने की मांग की गई। साथ ही स्वस्थ गौवंश को संक्रमण से बचाने के लिए व्यापक टीकाकरण अभियान चलाने पर जोर दिया। ज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए कमिश्नर ने संबंधित अधिकारियों को बुलाकर अब तक आवश्यक व्यवस्थाएं नहीं होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने जल्द क्वारंटाइन सेंटर शुरू करने और पशु चिकित्सकों की नियुक्ति सहित आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।



मध्य प्रदेश कांग्रेस में सुगबुगाहट तेज

भोपाल में नकुलनाथ के समर्थन में लगे सीएम के नारे, क्या अंदरखाने शुरू हो गई है नई तैयारी?

भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश की सियासत में एक बार फिर कांग्रेस के भीतर सुगबुगाहट और गुटबाजी की सुई घूमती नजर आ रही है। भोपाल एयरपोर्ट पर कांग्रेस नेता नकुलनाथ के स्वागत के दौरान कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए नारों ने सूबे के राजनीतिक गलियारों में नए चर्चाओं को हवा दे दी है। एयरपोर्ट पर उमड़ी भीड़ और हमारा सीएम कैसा हो, नकुलनाथ जैसा हो के गूंजे नारों ने भले ही इसे समर्थकों का जोश करार दिया हो, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक इसे आगामी रणनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में देख रहे हैं। छिंदवाड़ा की राजनीतिक जमीन से बाहर निकलकर राजधानी भोपाल में इस तरह के नारों का गूंजना पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर चल रही अंतर्कलह और महत्वकांक्षाओं को फिर से सतह पर ले आया है। हालांकि, पार्टी संगठन या खुद नेतृत्व की तरफ से ऐसा कोई आधिकारिक संकेत या घोषणा नहीं की गई है, जो नकुलनाथ को मुख्यमंत्री पद के चेहरे के तौर पर प्रोजेक्ट करती हो। इसके बावजूद, इस तरह के घटनाक्रम अक्सर पार्टी के भीतर नए समीकरण साधने और अपने सियासी रसूख को हाईलाइट करने की पुरानी शैली का हिस्सा माने जाते हैं। निसंदेह, इस एक घटना ने प्रदेश कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति को गरमा दिया है और आने वाले दिनों में यह विरोधी दलों के साथ-साथ पार्टी के भीतर भी चर्चा का एक बड़ा केंद्र बन सकता है।

स्कूल शिक्षा विभाग में 500 करोड़ से ज्यादा की गड़बड़ी के आरोप!

पूर्व IFS अधिकारी आजाद सिंह डबास पहुंचे EOW, मंत्री उदय प्रताप सिंह और वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ जांच की मांग



भोपाल,यश भारत। मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग में करोड़ों रुपये की कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। पूर्व आईएफएस अधिकारी आजाद सिंह डबास ने स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आपराधिक प्रकरण दर्ज कर विस्तृत जांच कराने की मांग की है। शिकायत में 149 करोड़ रुपये के स्कूल मेंटेनेंस बजट और करीब 350 करोड़ रुपये के यूनिफॉर्म टेंडर में गड़बड़ी के आरोप लगाए गए हैं। वहीं, सांदीपनि स्कूलों के लिए 116 चपाती मशीनों की खरीदी पर करीब 8.98 करोड़ रुपये खर्च करने को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। डबास ने प्रदेश के 92 हजार 520 स्कूलों के बजट, पाठ्य पुस्तक निगम में कागज खरीदी और प्रिंटिंग टेंडरों की जांच की मांग की है। शिकायत में कथित बिचौलियों और पूर्व ओएसडी की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए गए हैं। साथ ही मंत्री अधिकारियों और संबंधित लोगों की संपत्तियों की जांच की मांग की गई है। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

सोशल मीडिया और AI के जरिए चरित्र हनन पर भड़कीं साध्वी हर्षा रिछारिया

धार्मिक समुदाय के अपने ही लोगों पर गंभीर साजिश का आरोप

साइबर थाने में दर्ज कराई एफआईआर

भोपाल, यशभारत।



प्रयागराज कुंभ मेले के दौरान चर्चा में आईं साध्वी हर्षा रिछारिया द्वारा भोपाल साइबर क्राइम कार्यालय में दर्ज कराई गई शिकायत के बाद मामले में नया मोड़ आ गया है। हर्षा ने आरोप लगाया है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दुरुपयोग कर उनकी फर्जी तस्वीरें और अश्लील वीडियो प्रसारित किए जा रहे हैं, जिसके पीछे उनके अपने ही धार्मिक समुदाय के कुछ ऐसे लोग शामिल हैं जिन्हें वे भाई, पिता, बहन और मां के समान मानती थीं।

मीडिया से बातचीत में हर्षा ने तीखे तेवर अपनाते हुए कहा कि वह पिछले कई महीनों से सोशल मीडिया पर चल रही ओछी टिप्पणियों और हमलों को देख रही थीं। उन्होंने दो टूक कहा कि आज के दौर में एआई तकनीक आने के बाद किसी भी महिला या लड़की को बदनाम करना आसान बना दिया गया है, लेकिन अब महिलाएं इसे चुपचाप सहन नहीं करेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने प्रशासन को औपचारिक शिकायत और साक्ष्य सौंप दिए हैं और अब जांच अधिकारियों पर भरोसा जताया है। साथ ही, उन्होंने सोशल मीडिया पर अभद्र और भद्दी टिप्पणियां करने वालों को खुली चुनौती देते हुए कहा कि वह उन तमाम पीड़ित युवतियों की आवाज बनेंगी जो इस तरह के मानसिक उत्पीड़न का सामना कर रही हैं। फिलहाल साइबर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है।

रचना नगर में नाले की सफाई ठप, कचरे के बीच उगने लगे पेड़-पौधे

सीवेज लाइन जाम होने से बढ़ी परेशानी

भोपाल,यश भारत।



राजधानी के रचना नगर टावर के पास नगर निगम की सफाई व्यवस्था की बदहाल तस्वीर सामने आई है। यहां नाले में बड़ी मात्रा में कचरा जमा होने से सीवेज लाइन जाम हो गई है। हालात यह हैं कि लंबे समय से सफाई नहीं होने के कारण नाले में जमा कचरे के बीच पेड़-पौधे तक उग आए हैं। नाले में गंदगी और कचरे का अंबार लगा होने से आसपास के क्षेत्र में जलभराव और गंदगी की समस्या बनी हुई है। स्थानीय लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नाले की स्थिति देखकर साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि लंबे समय से इसकी सफाई नहीं हुई है। इसके बावजूद नगर निगम का सफाई अमला समस्या की अनदेखी कर रहा है। बदहाल नाला निगम की सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। अब स्थानीय लोगों को इंतजार है कि जिम्मेदार अधिकारी कब संज्ञान लेकर नाले की सफाई और सीवेज लाइन को दुरुस्त करवाते हैं।

दीपावली मनाने भिंड गए बिल्डर के घर चोरों ने बोला धावा, 5 ताले तोड़कर 33.45 लाख का माल साफ

भोपाल, यशभारत।



राजधानी के वीवीआईपी और पॉश माने जाने वाले कोहेफिजा थाना क्षेत्र में चोरों ने दुस्साहस की हदें पार करते हुए एक बिल्डर के सूने मकान को निशाना बनाया। चोर मुख्य दरवाजे से लेकर अंदर के कमरों और अलमारियों तक के कुल 5 ताले तोड़कर करीब 33 लाख 45 हजार रुपए के सोने-चांदी के पुश्तैनी जेवरात और नकदी समेट ले गए। वारदात के वक्त परिवार दीपावली मनाने अपने पैतृक गांव गया हुआ था। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें तीन नकाबपोश बदमाश कॉलोनी में घूमते नजर आ रहे हैं।

कोहेफिजा पुलिस के मुताबिक, एयरपोर्ट रोड स्थित इंद्र विहार कॉलोनी के ब्लॉक-12 में रहने वाले 42 वर्षीय अरविंद सिंह गुर्जर बिल्डर और ठेकेदारी का काम करते हैं। आगामी दीपावली का पर्व मनाने के लिए वे 7 नवंबर की रात करीब डेढ़ बजे अपने पूरे परिवार के साथ पैतृक गांव गोहद खरौंआ (जिला भिंड) रवाना हुए थे। घर से निकलने से पहले उन्होंने मुख्य गेट, कमरों और अंदर रखी अलमारियों में मजबूत ताले लगाए थे।

परिजन जब शुक्रवार देर रात वापस भोपाल लौटे, तो मुख्य गेट का ताला टूटा देखकर उनके होश उड़ गए। अंदर जाकर देखा तो कमरों के दरवाजे और अलमारियां खुली पड़ी थीं, और सारा सामान अस्त-व्यस्त फैला हुआ था। चोर अलमारी में रखे करीब 29 लाख रुपए कीमत के सोने के पुश्तैनी जेवरात, पौने दो किलो चांदी कीमत करीब 3.40 लाख रुपए और 1 लाख 5 हजार रुपए नकद चुरा ले गए। घटना की सूचना मिलते ही कोहेफिजा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम के साथ साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने जब कॉलोनी और आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले, तो उसमें तीन नकाबपोश बदमाश संदिग्ध अवस्था में घूमते और घर में दाखिल होते हुए दिखाई दिए। पुलिस फुटेज के आधार पर बदमाशों के हुलिए और उनके आने-जाने के रास्तों की शिनाख्त करने में जुटी है। अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर उनकी तलाश तेज कर दी गई है।

एयरपोर्ट रोड स्थित वीर विला रिसॉर्ट पर आबकारी विभाग की दबिश, संचालक पर केस दर्ज

भोपाल, यशभारत।



राजधानी में अवैध रूप से शराब परोसने और मदिरापान कराने वाले होटल, ढाबा और रिसॉर्ट संचालकों के खिलाफ आबकारी विभाग ने सख्त रुख अपना लिया है। इसी कड़ी में गुरुवार देर रात आबकारी विभाग की टीम ने एयरपोर्ट रोड स्थित वीर विला रिसॉर्ट पर दबिश देकर अवैध शराब जब्त की है।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के आदेश पर उपायुक्त आबकारी संभाग के.सी. अग्निहोत्री और सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र कुमार धाकड़ के मार्गदर्शन एवं कंट्रोलर वर्षा उइके के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। दबिश के दौरान टीम ने रिसॉर्ट संचालक निलेश देवानी के कब्जे से 6.75 बल्क लीटर विदेशी मदिरा और 4 बल्क लीटर बियर बरामद की। जब्त की गई शराब की कुल कीमत 21 हजार रुपये आंकी गई है।

आबकारी विभाग ने मौके पर मौजूद अवैध रूप से मदिरापान करने वालों और रिसॉर्ट संचालक निलेश देवानी के विरुद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) एवं 36/क्र के तहत विधिवत प्रकरण दर्ज किया है। विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि बिना अनुमति या देर रात तक अवैध रूप से शराब पिलाने वाले प्रतिष्ठानों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ इसी तरह की सख्त दबिश जारी रहेगी।

एमपी नगर मेट्रो ब्रिज के पास से युवक-युवती गिरफ्तार, 3.24 ग्राम एमडी ड्रग्स और स्कूटी जब्त

भोपाल, यशभारत।



राजधानी में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत क्राइम ब्रांच पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एमपी नगर जोन-01 स्थित मेट्रो ब्रिज के पास खाली मैदान से एक युवक और युवती को दबोच लिया। आरोपी स्कूटी पर बैठकर एमडी ड्रग्स बेचने की फिराक में ग्राहकों का इंतजार कर रहे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से 3.24 ग्राम एमडी मादक पदार्थ, दो एंड्रॉइड मोबाइल फोन और एक स्कूटी समेत कुल 97,200 रुपये का मसरुका जब्त किया है।

क्राइम ब्रांच थाना प्रभारी अशोक मरावी ने बताया कि क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली थी कि संदिग्ध हुलिए के एक युवक और युवती काले-लाल रंग की स्कूटी पर सवार होकर ड्रग्स की खेप ठिकाने लगाने की फिराक में हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अरबाज उर्फ इक्का उम्र 24 साल निवासी गली नंबर 3, बाग फरतअफ्जा, ऐशबाग, भोपाल और करीना माधवानी उर्फ नीलू माधवानी उम्र 34 साल निवासी ओल्ड सिंधी कॉलोनी, बैरसिया रोड, भोपाल के रूप में हुई है। मुख्य आरोपी अरबाज उर्फ इक्का के खिलाफ थाना ऐशबाग में पहले से ही कई गंभीर धाराओं में चार आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें मारपीट, बलवा, आर्म्स एक्ट और अन्य प्रकरण शामिल हैं।पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। साथ ही, ड्रग्स के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सप्लायरों के बारे में भी पूछताछ की जा रही है। भोपाल पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि नशे से जुड़ी किसी भी गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें, सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।



स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. करौंद बाईपास रोड भानपुर भोपाल मप्र से मुद्रित , 3 इन्द्रा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल महेश्वरी मार्ग एमपी नगर, जोन 1 भोपाल से प्रकाशित, संपादक अम्बरीष तिवारी *, सलाहकार संपादक श्याम कटारे।
फोन - 9111201000, डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2015/60766- email - bhopalyashbharat02@gmail.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)